नई दिल्ली
रविवार, 8 जून 2025
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 54
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 39
न्यून. 29

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अच्छी खबर : भारत के विकास पर वर्ल्ड बैंक की मुहर, 11 साल में गरीबों की संख्या घटी

राहत: भारत में 26.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से निकले बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व बैंक की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 11 वर्षों में अत्यधिक गरीबी को कम करने में जबरदस्त प्रगति की है। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1% थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3% रह गई है। इसका मतलब है कि इस दौरान लगभग 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय गरीबी से बाहर निकल पाएं हैं। 2011-12 में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। गौरतलब है कि गरीबी रेखा का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन (2021 की कीमतों पर) के अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार किया ▶▶ शेष पेज 5 पर

27 से घटकर 5.3 फीसदी हुई गरीबी की दर

गरीबी रेखा का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन (2021 की कीमतों पर) के अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार किया गया

2011-12 में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई

- इस बदलाव में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की बड़ी भूमिका रही
- 2011-12 में इन पांच राज्यों में देश के 65% अत्यधिक गरीब रहते थे अब इन राज्यों ने गरीबी में कमी के दो-तिहाई हिस्से में योगदान दिया

सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई योजनाओं का परिणाम : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई योजनाओं का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला।

नई दिल्ली में ब्रिटेन के विदेश मंत्री के साथ बैठक में बोले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

आतंकवाद के अपराधियों और उसके 'पीड़ितों को एक बराबर नहीं समझता भारत: जयशंकर

- भारत ने पहलगाम हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ जंग में समर्थन देने को लेकर ब्रिटेन का जताया आभार
- ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से की शिष्टाचार मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीमाई तनाव के मध्य भारत और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों के बीच शनिवार को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें आतंकवाद का मुद्दा प्रमुखता से शामिल किया गया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ जारी भारत की लड़ाई में सद्भावना के साथ अपना समर्थन प्रदान करने के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के प्रति धन्यवाद के साथ आभार जताया। इसके अलावा जयशंकर ने लैमी को आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में कतई बर्दाश्त न करने की नीति यानी जीरो टॉलरेंस को लेकर बनी हुई भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करते हुए यह साफ कर दिया कि आतंकवादी हमले के शिकार पीड़ितों और उसके अपराधियों में कभी भी कोई समानता नहीं हो सकती है। साथ ही उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि हमारे भागीदार देश भारत के इस मत को समझेंगे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने 7 जून को जारी किए गए एक ▶▶ शेष पेज 5 पर

डेविड लैमी की पीएम से हुई मुलाकात

वहीं, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी की सात लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिष्टाचार मुलाकात हुई। लैमी ने एक्स पोस्ट में इसका उल्लेख करते हुए भारत में दिए गए गर्मजोशी वाले स्वागत के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि दोनों महान देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के आधार पर हम अपनी साझेदारी को और अधिक गहरा करने और इससे जुड़े हुए अपने संबंधों के अनोखे जीवंत पुल का जश्न मनाने और विकास, सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे।

ब्रिटेन के पीएम करेंगे भारत की यात्रा

उधर, सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर कुछ सप्ताह बाद भारत की यात्रा कर मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। पीएम मोदी ने बीते वक्त में जब दोनों देशों के बीच एफटीए होने की घोषणा की थी। तो उस दौरान उन्होंने ये भी कहा था कि उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को भारत की यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। वर्तमान में किया जा रहा ब्रिटेन के विदेश मंत्री का भारत दौरा इस संबंध में तारीखों को अंतिम रूप में मददगार साबित होगा। पीएम स्टार्मर की भारत यात्रा संभवतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी-7 की बैठक के लिए की जाने वाली कनाडा की यात्रा के बाद हो सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर को पूरा हुआ एक महीना

यहां बता दें ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी 7 से 8 जून तक भारत के दो दिवसीय दौरे पर हैं। भारत की यात्रा से ठीक पहले बीते दिनों उन्होंने पाकिस्तान का दौरा किया था। यहां पर एक जरूरी तथ्य ये भी हैं कि लैमी की भारत यात्रा ठीक उसी दिन हो रही है। जब भारत द्वारा पहलगाम हमले के जवाब में की गई ऑपरेशन सिंदूर (7 मई) की कार्रवाई को एक महीना पूरा हुआ है। जिसमें भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के कुल 9 आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया था। इसकी प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर काफी आक्रामकता दिखाई थी। लेकिन उसका कोई भी वार सफल नहीं हो सका, सभी को भारत की सेनाओं ने तुरंत नाकाम कर दिया। पहलगाम हमले में लश्कर के छद्म आतंकी संगठन टीआरएफ ने कुल 26 निर्दोष नागरिकों को उनका धर्म पूछकर मौत के घाट उतार दिया था। इनमें 25 भारतीय और 1 नेपाली नागरिक था।

खबर संक्षेप

पीएम 20 जून को ओडिशा राज्य का दौरा करेंगे

भुवनेश्वर। पीएम नरेंद्र मोदी 20 जून को ओडिशा पहुंचेंगे और राज्य में भाजपा नीत सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में हिस्सा लेंगे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि 12 जून को राज्य में भाजपा सरकार के एक साल पूरे हो रहे हैं लेकिन मुख्य समारोह 20 जून को होगा।

सीएम रेखा गुप्ता को धमकी देने वाला अरेस्ट

गाजियाबाद। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम ने गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शराब के नशे में फोन कर धमकी दी थी। पकड़े गए आरोपी की पहचान श्लोक तिवारी के तौर पर हुई है।

16वें वित्त आयोग के सदस्य बने टी. शंकर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी. रवि शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है। वह कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक या 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे। इनकी नियुक्ति अजय नारायण झा के इस्तीफा देने से हुई है।

यह जानकारी प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय आपदा रोधी अवसंरचना सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए दी

आपदाओं से उबरने की सीख और सर्वोत्तम तरीकों का डिजिटल संग्रह दुनिया के लिए लाभकारी: पीएम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय आपदा रोधी अवसंरचना सम्मेलन-2025 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। जिसमें उन्होंने आपदा प्रतिरोधी क्षमता को मजबूत बनाने से जुड़ी हुई पांच प्रमुख वैश्विक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। साथ ही कहा कि पूर्व चेतावनी प्रणाली और समन्वय को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। आपदाओं से उबरने संबंधी सीख और सर्वोत्तम तरीकों का एक अंतरराष्ट्रीय डिजिटल संग्रह पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास में सुदृढता की आवश्यकता पर बल देते हुए जटिल परिस्थितियों में स्थिर बनी रहने वाली अवसंरचना के निर्माण का आह्वान किया और दुनिया के लिए एक मजबूत और आपदा-प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण की दिशा में वैश्विक प्रयासों का आग्रह किया। सम्मेलन का विषय 'तटीय क्षेत्रों के लिए एक मजबूत भविष्य को आकार देना' रखा गया था। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने 7 जून को एक बयान जारी कर दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा स्थापित की गई सुनामी चेतावनी प्रणाली से 29 देशों को लाभ हुआ। पहली बार इस सम्मेलन का यूरोप में आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सहयोग देने के लिए पीएम ने फ्रांस के राष्ट्रपति और उनकी सरकार के प्रति आभार जताया। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने बताया कि भारत छोटे द्वीपीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

> भारत द्वारा स्थापित की गई सुनामी चेतावनी प्रणाली से दो दर्जन से अधिक देशों को होगा फायदा

इन 5 प्राथमिकताओं पर दिया जोर

उन्होंने जिन पांच प्रमुख प्राथमिकताओं पर बल दिया। उनमें पहला, भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा में आपदा रोधी पाठ्यक्रमों को शामिल करने, मॉड्यूल, कौशल विकास कार्यक्रमों को समन्वित करने का महत्व बताया। दूसरा, उक्त विषय पर वैश्विक डिजिटल संग्रह की आवश्यकता बताया। तीसरा, आपदा का मुकाबला करने के लिए नवोन्मेषी वित्तपोषण की जरूरत पर जोर दिया तथा विकासशील देशों को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने के लिए क्रियान्वित करने योग्य कार्यक्रम बनाना बताया। चौथी प्राथमिकता के रूप में पीएम ने छोटे द्वीपीय विकासशील देशों को बडे महासागरीय देशों के रूप में मान्यता देने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया व उनकी कमजोरियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में पांचवीं प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने पूर्व चेतावनी प्रणाली एवं समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर ध्यान दिलाते हुए समय पर निर्णय लेने, अंतिम छोर तक प्रभावी संचार सुविधा स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सभी के सामने रखा।

प्रतिरोधी अवसंरचना की आवश्यकता

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रति तटीय क्षेत्रों, द्वीपों की संवेदनशील स्थिति को रेखांकित किया। इसके अलावा भारत और बांग्लादेश में चक्रवात रेमल, कैरिबियन में तूफान बेरिल, दक्षिण पूर्व एशिया में तूफान यागी, संयुक्त राज्य अमेरिका में तूफान हेलेन, फिलीपींस में तूफान उसागी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चक्रवात चिडो के साथ हाल की विभिन्न आपदाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन आपदाओं ने जानमाल को काफी नुकसान पहुंचाया है। जिससे प्रतिरोधी अवसंरचना व सक्रिय आपदा प्रबंधन की आवश्यकता को बल मिलता है।

सीडीआरआई से जारी निर्माण

प्रधानमंत्री ने आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) द्वारा 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ मिलकर आपदा रोधी घरों, अस्पतालों, स्कूलों, ऊर्जा प्रणालियों, जल सुरक्षा के उपायों व पूर्व चेतावनी प्रणालियों के निर्माण के लिए जारी कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशांत महासागर, हिंद महासागर-कैरीबियाई क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति की सराहना की। गठबंधन में अफ्रीकी संघ की भागीदारी का भी पीएम मोदी ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गृहमंत्री शाह से की बात

इंदौर के राजा-सोनम केस की अब जांच सीबीआई करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर के हनीमून कपल राजा रघुवंशी और सोनम के लगातार पेंचीदा होते केस और सोनम के अभी तक लापता होने का मामला अब सीबीआई को जाएगा। परिजन लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे, अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस संबंध में बात की है। सीएम डॉ.यादव ने इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि संकट की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सोनम रघुवंशी के परिवार के साथ खड़ा है। मैंने इस संबंध में मेघालय के मुख्यमंत्री से चर्चा की है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मेघालय के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। इस प्रकरण में सीबीआई जांच आदेशित करने हेतु मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया है। सोनम रघुवंशी ▶▶ शेष पेज 5 पर

रजिस्ट्रार जनरल की सीआरएस रिपोर्ट में खुलासा

साल 2021 में देश में हुईं थी एक करोड़ से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में कोविड प्रभावित 2021 के मुकाबले 2022 में कोविड संक्रमण से लगभग 86.5 लाख मौतें दर्ज की गईं। यह मौतें 2021 में हुई 1.02 करोड़ मौतों से 15 फीसदी से भी अधिक कम हैं। यह खुलासा भारत के रजिस्ट्रार जनरल की जारी नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) की नई रिपोर्ट में किया गया है। सीआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 15.74 लाख मौतों की गिरावट से मृत्यु दर 2020 जैसे महामारी से पहले के स्तर पर लौट आई हैं। सीआरएस के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में देश भर में 1.02 करोड़ लोगों की मौतों के साथ मृतक संख्या में तेज उछाल दर्ज किया गया था, जबकि यह आंकड़ा 2020 में 81.1 लाख, 2019 में 76.4 लाख और 2018 में 69.5 लाख था। ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत ने 7 मई को लिया था पहलगाम हमले का बदला

ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा, लेकिन पिक्चर अभी बाकी है...

> 25 मिनट में ढहा दिए 9 आतंकी कैंप

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम हमले के जवाब में की गई भारत की बडी सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को शनिवार को एक महीना पूरा हो गया है। पाकिस्तान के साये में छिपे बैठे आतंकवादियों के लिए 7 मई 2025 की ये वही कयामत की रात थी। जब भारत की सशस्त्र सेनाओं के बेहद मारक अस्त्र-शस्त्र एकसाथ पाकिस्तान व उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर काल बनकर टूट पडे थे और उन्होंने महज 25 मिनट में 24 लक्ष्यों पर सटीक वार कर कुल 100 से ज्यादा आतंकवादियों का काम तमाम कर दिया था। इससे बौखलाए पाक ने बडे पैमाने पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर भारत को पश्चिमी सीमा पर घेरने की कोशिश की थी। लेकिन उसके जवाब में भारतीय सेना, वायुसेना के छोटी व लंबी दूरी के हथियारों ने पाकिस्तान में मौजूद उसके सैन्य ढांचे को निशाना बनाकर जमकर तबाही मचाई। यह संघर्ष कुल चार दिनों (7 से 10 मई तक) तक चला। जिसके बाद पाकिस्तान के होश ठिकाने आ गए और उसके सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपने भारतीय समकक्ष को फोन कर 10 मई को शाम 5 बजे से संघर्षविराम लागू करने पर सहमति जताई। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम द्विपक्षीय आधार पर हुआ था। इसमें दुनिया के किसी अन्य देश की कोई भूमिका नहीं थी। इन सबके बीच एक बेहद महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वर्तमान में भी हमारी ▶▶ शेष पेज 5 पर

ग्रामीणों से किए वादे होंगे पूरे, मिला आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

हाल ही में पालम 360 खाप के प्रमुख सुरेंद्र सोलंकी ने पीएम नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की और राष्ट्रीय राजधानी के गांवों के लंबित मुद्दों से उन्हें अवगत कराया। सोलंकी ने बताया कि पीएम ने ग्रामीण नेता को आश्वासन दिया है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र के लिए किए गए सभी वादों को पूरा करेगी और समस्याओं का समाधान करेगी। सोलंकी ने बताया कि दिल्ली में अब एक डबल इंजन सरकार है, जो राष्ट्रीय राजधानी को एक 'विकसित दिल्ली' की ओर ले जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र को प्रभावित करने वाले मुद्दों को भी हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से दिल्ली के गांवों की अनदेखी की गई थी, लेकिन अब लोगों को उम्मीद है कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में वर्तमान सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति में सुधार करेगी।

यह मामला एक निजी बैंक की शिकायत के आधार पर 2017 में दर्ज किया गया था

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने फर्जी धन प्रेषण दस्तावेज प्रस्तुत करके विदेश व्यापार नीति के तहत 30.47 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार लाभ प्राप्त करने के लिए जालसाजी करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि आरोपी की पहचान अंगद पाल सिंह उर्फ अंगद सिंह चंडोक के रूप में हुई है और उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित कराने के बाद दो जून को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस के उपायुक्त (आर्थिक अपराध शाखा) विक्रम के. पोरवाल ने एक बयान में कहा कि सिंह को इससे पहले एक अन्य धोखाधड़ी मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। उन्होंने बताया कि यह मामला एक निजी बैंक की शिकायत के आधार पर जनवरी 2017 में दर्ज किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि बैंक का आरोप है कि 17 विभिन्न कंपनियों के 18 खाताधारकों ने सितंबर 2013 से अक्टूबर 2015 के बीच निर्यात दस्तावेजों के प्रसंस्करण के लिए बैंक की नारायणा शाखा में 467 फर्जी विदेशी आवक प्रेषण प्रमाण पत्र (एफआईआरसी) जमा कराए थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्थित इसकी एक शाखा द्वारा कथित रूप से जारी एफआईआरसी का उपयोग आरोपियों द्वारा बैंक प्राप्ति प्रमाण पत्र (बीआरसी) प्राप्त करने के लिए किया गया, जिसे बाद में धोखाधड़ी से 'ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स' प्राप्त करने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) को प्रस्तुत किया गया। पोरवाल ने बताया, ''ये ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स विदेश व्यापार नीति के तहत गैर-नकद प्रोत्साहन के रूप में जारी किए गए थे, जो निर्यात आय की वास्तविक प्राप्ति पर जारी किए जाते हैं। हालांकि, इस मामले में, धन प्रेषण कभी नहीं हुआ।'' उन्होंने बताया कि सिंह अपने पिता सुरिंदर सिंह और भाई हरसाहिब सिंह के साथ मिलकर पांच निर्यात कंपनियों कुमार ट्रेडिंग कंपनी, नेशनल ट्रेडर, ट्राइडेंट ओवरसीज इंडिया, एचएसएसी एक्जिम इंडिया और एएचसी ऑटो स्पेयर्स का प्रबंधन करता था। पोरवाल के मुताबिक आरोपियों ने साठगांठ कर कथित तौर पर एफआईआरसी में जालसाजी की और स्क्रिप्स हासिल कर लीं, जिन्हें बाद में खुले बाजार में बेच दिया गया, जिससे सरकारी खजाने को 30.47 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अधिकारी ने बताया कि कथित धोखाधड़ी के सामने आने के बाद आरोपी विदेश भाग गया था जहां से निर्वासित होने पर वह लौटा और उसे हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि सिंह ईओडब्ल्यू के एक अन्य मामले में भी नामजद है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तीन सह-आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। उसने बताया कि बड़ी साजिश का पता लगाने और बैंक अधिकारियों के साथ किसी भी तरह की मिलीभगत का खुलासा करने के लिए आगे की जांच जारी है।

किशोर की चाकू घोंपकर हत्या, दो नाबालिग पकड़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मध्य दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में 16 वर्षीय लड़के की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोप में दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 14 और 15 साल की उम्र के दोनों आरोपियों को बृहस्पतिवार को पकड़ा गया और उनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वालसन ने कहा कि तालीवालान बस्ती में दुर्गा मंदिर के पास बेहोश और खून से लथपथ पड़े लड़के के बारे में एक पीसीआर कॉल के जरिए दो जून को जानकारी मिली थी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और उसने नाबालिग पीड़ित को गंभीर रूप से घायल पाया। पीड़ित को आरएमएल (राम मनोहर लोहिया) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि वह और पीड़ित घर लौट रहे थे तभी दो अज्ञात लड़के अचानक पीछे से आए और 16 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला करने के बाद मौके से भाग गए। अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी नाबालिगों को बृहस्पतिवार को जीवन माला अस्पताल के पास से पकड़ा गया।

अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान किशोरों ने घटना में अपनी संलिप्तता की बात कबूल कर ली। अपराध में इस्तेमाल किया गया खून से सना चाकू पास के एक पार्क से बरामद किया गया।'' उन्होंने बताया कि हमले का मकसद जानने के लिए आगे की जांच जारी है।

बहनों पर गोली चलाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में दो बहनों पर कथित तौर पर हमला करने और गोली चलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान रवि (22), हितेश (22) और आशीष (31) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी दोस्त हैं और उन्होंने पीड़ितों के भाई अमन उर्फ रज्जी के साथ हुई गोलीबारी की घटना का बदला लेने के लिए पीड़ितों पर गोली चलाई। पुलिस के अनुसार, रवि ने लगभग तीन महीने पहले द्वारका साउथ थाने में अमन के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने कहा कि शिकायतकर्ता महिला द्वारका सेक्टर सात में रहती है, जिसे एक जून को झगड़े के दौरान रवि ने गोली मार दी थी। उस समय उसके साथ उसकी बहन भी थी। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर बहनों पर कथित तौर पर हमला किया और गोली चला दी, जिससे शिकायतकर्ता घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि झड़प के दौरान आशीष नामक एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने उसकी मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया, जबकि रवि, हितेश और उसका एक अन्य साथी मोनू भागने में सफल रहे। उन्होंने बताया कि बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

पुलिस उपायुक्त ने कहा कि तकनीकी जांच से पता चला कि रवि केवल ऐप के माध्यम से ही संवाद कर रहा था और रैंडम हॉटस्पॉट नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा था। उसका अंतिम लोकेशन मनाली, हिमाचल प्रदेश में पाई गई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम मनाली भेजी गई, जहां उन्होंने आरोपियों की पहचान की और उनका पता लगाया। उन्होंने बताया कि उन्हें पता चला कि रवि और हितेश दिल्ली वापस जाने वाली बस में सवार हो गए हैं। उन्होंने बताया कि टीम ने हरियाणा के मुरथल में बस को रोका और दोनों को पकड़ लिया।

अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान रवि ने अवैध पिस्तौल से महिला पर गोली चलाने की बात स्वीकार की, जिसे बाद में उत्तर प्रदेश के बागपत में एक दोस्त के घर से बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अब भी चौथे आरोपी मोनू की तलाश कर रही है, जो फरार है। उन्होंने बताया कि रवि पर हत्या के प्रयास समेत तीन अन्य आपराधिक मामले भी दर्ज हैं।

यमुना सफाई और दिसम्बर 2025 में क्रूज चलाने का वादा विफल, सीएम छिपा रही है नाकामीः यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा की रेखा सरकार को घेरते हुए कहा है कि अपने पहले 100 दिन की विफलता को छिपाने के लिए ही नई नई घोषणाएं की जा रही है। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की नई घोषणा में कहना कि दिसंबर 2025 में यमुना में क्रूज चलाए जाएंगे और यमुना की सफाई और प्रदूषण की समस्याओं को अक्टूबर तक काबू करने का लक्ष्य हासिल करना है, पूरी तरह से अपने शासन के पहले 100 दिन की नाकामियों को छिपाने वाले बयान है। यादव ने कहा कि भाजपा के यमुना सफाई अभियान पर दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी, सीपीसीबी और एनजीटी के द्वारा प्रश्न चिन्ह लगाया जाना सरकार की निष्क्रियता को दर्शाता है। पिछले11 वर्षों में यमुना को साफ करने में नाकाम भाजपा का दावा कि दिसम्बर 2025 में यमुना में क्रूज चलने शुरु हो जाऐंगे और यमुना की सफाई और प्रदूषण अक्टूबर तक खत्म करेंगे निर्थक है। सत्ता में आते ही मार्च, 2025 में यमुना में सोनिया विहार से जगतपुर तक 4 किलोमीटर हिस्से में क्रूज चलाने की योजना का ऐलान किया था। लेकिन सरकार की निष्क्रियता के कारण इसका प्रस्ताव 3 महीने आगे बढ़ गया है। यमुना में अभी तक सफाई का ढ़ढोंरा पीट रही भाजपा के यमुना सफाई अभियान पर दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी, सीपीसीबी और एनजीटी प्रश्न चिन्ह लगा रही है। ऐसे में कैसे संभव है कि रेखा गुप्ता सरकार दिसंबर 2025 तक यमुना में क्रूज चला पाऐगी। यादव ने कहा कि एनजीटी के निर्देश पर 2015 में 18 एसटीपी अपग्रेडेशन का कार्य शुरु किया था, जो 2017 में पूरा होना था,लेकिन अभी तक नही हुआ है। वजीराबाद से औखला बैराज तक 22 किलोमीटर की यमुना में गंदा, जहरीला और प्रदूषित पानी बहता है जिसका बड़ा कारण नालों से सीधा गंदा, औद्योगिक, केमिकल और मानव अवशेष वाला पानी यमुना में गिरना है। दिल्ली में प्रतिदिन 792 एमजीडी सीवेज निकलता है जिसमें सिर्फ 640 एमजीडी उपचारित होता है, जिसकी गुणवत्ता पर एनजीटी ने प्रश्न चिन्ह लगाया है। जबकि बाकी 171 एमजीडी गंदा सीवर सीधा यमुना में गिरता है जो दिल्ली वालों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी की पिछले महीनों की रिपोर्ट के अनुसार कुल 37 सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में केवल 11 एसटीपी ही मानकों के अनुसार काम कर रहे है, जिसके कारण बाकी 26 एसटीपी यमुना में अत्यधिक गंदा पानी गिरा रहे है। यमुना में क्रूज चलाने की योजना कोई नई नहीं है, आम आदमी पार्टी ने भी इसकी घोषणा करके एक साल तक इस पर कोई काम नहीं किया।

रिश्वत लेने के मामले में ट्रैफिक पुलिस कर्मी को चार साल की जेल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने एक ड्राइवर से 3,000 रुपये की रिश्वत लेने को लेकर दिल्ली यातायात पुलिस के एक कर्मी को चार साल की जेल की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश दिपाली शर्मा ने शुक्रवार को एएसआई (सहायक उप निरीक्षक) वतेंद्र कुमार को जेल की सजा सुनाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं में से एक है। साथ ही, उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। न्यायाधीश ने कहा कि अपराध के परिणामों और आम लोगों के उत्पीड़न तथा समाज पर अपराध के प्रभाव को देखते हुए, दोषी को अदालत से किसी भी तरह की रियायत नहीं मिलनी चाहिए। अपनी शिकायत में, चालक मुन्ना ने दावा किया था कि 19 अगस्त 2016 को सुबह करीब 6.30 बजे वह अपना टेम्पो लेकर पुल मिठाई चौक, आजाद मार्केट पहुंचा, तभी एएसआई ने अन्य लोगों के साथ टेम्पो को रोक लिया और उसे वाहन से नीचे उतरने को कहा। इसके बाद कथित तौर पर उन्हें धमकी दी गई कि वे रिश्वत दें, अन्यथा उनका वाहन जब्त कर लिया जाएगा।

अधिकतम तापमान फिर 41 डिग्री पार हुआ दर्ज और बढ़ेगा पारा

नई दिल्ली। लंबे समय बाद एक बार फिर सूरज ने अपने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए है। जिसके चलते शनिवार को दिल्ली के पालम में अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री दर्ज हुआ। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार सफदरजंग वेधशाला में दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी के अनुसार पालम में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री दर्ज हुआ जो सबसे ज्यादा रहा। जबकि लोधी रोड 39.7, रिज 39.9, आया नगर 41.2, राजघाट 37.8, पूसा 38.3, नजफगढ़ 38.4 और मयूर विहार में 37.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। आईएमडी ने अनुमान व्यक्त करते हुए बताया कि मौसम में बदलाव हो रहा है। संभावना है कि वीकेंड रविवार को अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की बढ़त होगी। आईएमडी का कहना है कि अगले चार-पांच दिन दिल्ली में आसमान एकदम साफ सुथरा रहेगा और सूरज की तपिश बढ़ेगी। जबकि अगले तीन दिन दिल्ली में 30 किमी प्रति घंटे से तेज धूल भरी हवाएं चलने का अंदाजा है। लेकिन फिलहाल अभी भी दिल्ली वालों को लू की मार से राहत मिलती रहेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे — **निविदा सूचना**

Website: www.ner.indianrailways.gov.in, Email:- cos@ner.railnet.gov.in

निविदा सूचना सं० 31 दिनांक-06.06.2025

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर – 273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाईट www.ireps.gov.in. पर देखा जा सकता है।

क्रम सं.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	29251045	18/08/25	कान्टैक्ट टिप फार प्लग इन टाईप रिले स्टाईल ईटीसी	759907 Nos.
2	26255020	21/07/25	मैन्यूफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ मेटल लाईनर ईटीसी	69480Set
3	22250302	17/07/25	एसीटल गाईड बुश फार एक्सल बाक्स ईटीसी	52691 Nos.
4	22251458	07/07/25	नान एस्बेस्टस बेस्ड के–टाईप हाई फ्रिक्शन ईटीसी	176800 Nos.
5	24251044	04/07/25	स्टेप साईज ब्रेक शो साईज 70 एमएम ईटीसी	5452 Nos.
6	22240225A	03/07/25	हैंगर ब्लाक बोल्स्टर सस्पेंशन ईटीसी	51838 Nos.
7	22251961A	30/06/25	हाई टेन्साईल टाईट सेन्टर बफर कपुलर ईटीसी	2327 Nos.

मुजाधि/एस– 16 प्रमुख मुख्य सामाग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

मेट्रोः फेज-4 गोल्डन लाइन की सुरंग बनकर हुई तैयार, डीएमआरसी की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने शनिवार को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मेट्रो फेज-4 गोल्डन लाइन की सुरंग बनाने का कार्य पूरा कर लिया। डीएमआरसी ने मेट्रो की गोल्डन लाइन पर तुगलकाबाद रेलवे कॉलोनी स्टेशन पर सुरंग बनाने वाली टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री डॉ. पंकज ने डीएमआरसी की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिल्ली जैसी कठिन परिस्थितियों में जमीन के ऊपर व अंदर मेट्रो निर्माण करना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसे डीएमआरसी सफलतापूर्वक कर रही है। उन्होंने डीएमआरसी प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार सहित सभी शुभकामनाएं दीं। इस बारे में डीएमआरसी के कॉर्पोरेट संचार के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि फेज-4 के तुगलकाबाद-एयरपोर्ट (एरोसिटी) कॉरिडोर, जिसे 'गोल्डन लाइन' के रूप में भी जाना जाता है, पर मां-आनंदमयी मार्ग और तुगलकाबाद रेलवे कॉलोनी स्टेशन के बीच भूमिगत सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। करीब 96 मीटर लंबी विशाल टीबीएम लगभग 0.792 किलोमीटर लंबी सुरंग को बोर करने के बाद बाहर आई है। इस खंड पर ऊपर और नीचे दोनों दिशाओं में आवाजाही के लिए समानांतर वृत्ताकार सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दूसरी सुरंग का कार्य जुलाई 2025 में पूरा होना अपेक्षित है। इस नई सुरंग का निर्माण औसतन लगभग 18 मीटर की गहराई पर किया गया है। इसमें कुल 566 रिंग्स लगाए गए हैं और सुरंग का भीतरी व्यास 5.8 मीटर है।

सुरंग का निर्माण ईपीबीएम तकनीक से कियाः दयाल

दयाल के अनुसार सुरंग का निर्माण ईपीबीएम (अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड) तकनीक से किया गया है, जिसमें प्रीकास्ट कंक्रीट रिंग्स का उपयोग हुआ है। ये रिंग्स मुंडका में बने यंत्रीकृत कास्टिंग यार्ड में तैयार किए गए थे, जिन्हें शीघ्रता से मजबूती देने के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम अपनाया गया। निर्माण के दौरान कहीं भी कोई धंसाव नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि अब तक स्वीकृत फेज-4 परियोजना के अंतर्गत कुल 40.109 किलोमीटर भूमिगत लाइन का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 19.343 किलोमीटर भूमिगत खंड तुगलकाबाद-एरोसिटी कॉरिडोर में स्थित हैं। दयाल ने बताया कि टीबीएम एक ऐसी मशीन है जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार की मिट्टी और चट्टानों में वृत्ताकार सुरंग खोदने के लिए किया जाता है। यह मशीनें कठोर चट्टानों से लेकर मुलायम रेत तक में सुरंग बनाने में सक्षम होती हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो द्वारा टनलिंग के कार्यों के लिए फेज-1 से ही टीबीएम का उपयोग किया जा रहा है। फेज-3 के दौरान, जब लगभग 50 किलोमीटर भूमिगत खंडों का निर्माण हुआ था, तब लगभग 30 टीबीएम का उपयोग किया गया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **वज़ीर, पताः प्लॉट नं. 268 – ए, खसरा नं. 29/17/2, ब्लॉक ए, पोल नं. 14, गली नं. 16, गोपाल नगर, पोल नं. जेएफपीबी890 के पास, नजफगढ़, नई दिल्ली– 110043** ने **Ct. Cases/897/2018, U/s 135 Indian Electricity Act, पुलिस थाना बाबा हरिदास नगर, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **वज़ीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **वज़ीर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **बाबा हरिदास नगर, नई दिल्ली** के अभियुक्त **वज़ीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.07.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद कुमार मीना
अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश
विशेष न्यायालय (विद्युत), कक्ष संख्या 609,
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/7015/DW/2025

प्रदेश अध्यक्ष ने झड़ौदा कलां गांव में खेल स्टेडियम के पुनर्निर्माण का किया शिलान्यास

कोई समस्या दिखती है तो पार्षद, विधायक और सांसद को बताइए : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली को स्वच्छ बनाना हमारी जिम्मेदारी है और अगर आपको कोई समस्या दिखती है तो आप हमारे पार्षद, विधायक या फिर सांसद को बताइए। हमारी जिम्मेदारी है कि इसे स्वच्छ बनाने में सड़क पर कूड़ा फेंकना और प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सांसद कमलजीत सहरावत की उपस्थिति में झड़ौदा कलां गांव में खेल स्टेडियम के पुनर्निर्माण का शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार के साथ भाजपा का संगठन लगातार आपकी सेवा में तत्पर रहेगा और आपके भरोसे पर कायम रहेगा। सचदेवा ने वहां उपस्थित फुटबाल की लड़कियों और लड़कों की टीमों को प्रोत्साहन राशि दी ताकि बच्चे और लगन के साथ आगे अपने गांव और क्षेत्र का नाम रौशन करें। इसके साथ ही बच्चों को वायु प्रदूषण को कम करने के लिए और क्षेत्र को हरा भरा बनाने के लिए पौधा लगाने का संकल्प दिलवाया।

जनता के आशीर्वाद के बाद लगातार विकास कार्य जारी : कमलजीत

सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि जनता ने जो आशीर्वाद भाजपा पर बरसाया है उसके बाद दिल्ली में लगातार विकास कार्य जारी है और आज उसी सीरीज में नए स्टेडियम का पुनर्निर्माण हो रहा है। जनता के विश्वास को कामों के माध्यम से हम कायम रखने की पूरी कोशिश करेंगे। पार्षद अमित खरखड़ी ने कहा कि दिल्ली में रेखा गुप्ता की सरकार बनते ही हर विधायक लगातार जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं और लगातार विकास कार्य जारी है। अब एमसीडी में भी भाजपा को आपने सेवा का मौका दिया है जिसके लिए आपको हम कभी निराश नहीं करेंगे।

बैडमिंटन कोर्ट व बास्केटबाल कोर्ट के नवनिर्माण का शिलान्यास

प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार बता दें कि झड़ौदा कलां गांव में खेल स्टेडियम के पुनर्निर्माण के साथ ही बैडमिंटन कोर्ट व बास्केटबाल कोर्ट के नवनिर्माण का शिलान्यास किया। विधायक नीलम, पूर्व विधायक अजीत खरखड़ी, नजफगढ़ जिले की अध्यक्षा राज शर्मा, जोन चेयरपर्सन सविता शर्मा, डिप्टी चेयरमैन बांके पहलवान और दिल्ली नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ग्रामोदय योजना के अंतर्गत दिल्ली नगर निगम द्वारा निगम पार्षद अमित खरखड़ी की सानिध्य में पुनर्निर्माण कराए जा रहे इस स्टेडियम से ग्रामीण क्षेत्रों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में मदद मिलेगी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **सदफ अली पत्नीः** मोहम्मद आदिल **पताः** टी–73, मकान नंबर दीन बस्ती, नई दिल्ली, ने **FIR No. 55/21, U/s 380/411 IPC थानाः ग्रेटर कैलाश–1, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सदफ अली,** मिल नहीं रही हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सदफ अली,** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 55/21, U/s 380/411 IPC थानाः ग्रेटर कैलाश–1, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सदफ अली,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री देवांशी जनमेजा
जेएमएफसी–04, कमरा नंबर 10
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/7241/SD/2025
(Court Matter)

सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो महापौर के घर के बाहर डालेंगे कूड़ा : नारंग

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह को सेंट्रल जोन में सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने पर उनके घर के बाहर कूड़ा डालने की चेतावनी दी है। अंकुश नारंग ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कूड़े से अटी पड़ी सेंट्रल जोन की सड़कों व ढलावों की सफाई को लेकर महापौर को ज्ञापन सौंपा है और बुधवार तक सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर लेने का समय दिया है। अगर बुधवार तक कूड़े के सभी ढेर नहीं हटाए गए तो फिर 'आप' पार्षद गुरुवार को महापौर के घर के बाहर कूड़ा डालेंगे। उन्होंने कहा कि वाहनों की संख्या कम करने की वजह से सड़कें जगह-जगह कूड़े से अटी पड़ी हैं और अब ये वल्नरेबल पॉइंट्स में तब्दील हो रही हैं। इससे बारिश के दिनों कई जानलेवा बीमारियों के फैलने का खतरा है। इस मौके पर सेंट्रल जोन के निगम पार्षदों में वार्ड-142 से सारिका चौधरी, वार्ड-184 से हेमा श्रीचंद वोहरा, वार्ड-168 से पंकज गुप्ता, वार्ड-179 से राकेश लोहिया, वार्ड-170 से भागवीर चौधरी, वार्ड-169 से काजल सिंह और वार्ड-147 से कुसुम उपस्थित रहीं।

नेता विपक्ष नारंग ने एमसीडी के महापौर राजा इकबाल सिंह को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि मेरे कार्यालय में दो पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें कूड़ा उठाने के लिए टिप्पर की संख्या में भारी कमी और साफ-सफाई की हालत बेहद दयनीय स्थिति में होने के संबंध में शिकायत की गई है। मुझे यह पत्र वार्ड नंबर 142 दरियागंज की पार्षद सारिका चौधरी और वार्ड नंबर 168 संगम विहार के पार्षद पंकज गुप्ता ने भेजे हैं। पत्र में उन्होंने अपने वार्डों में कूड़ा एकत्र करने वाले वाहनों की संख्या बढ़ाने और साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार कराने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा के साथ की बैठक

दिव्यांगजनों के लिए सभी सरकारी भवन और स्टेडियम बनाए जाएं सुगम : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली सरकार 'सुगम्य दिल्ली अभियान' के तहत दिल्ली के सभी सरकारी भवनों और खेल स्टेडियमों को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया जाएगा। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा के साथ एक बैठक करने के बाद कही। इस बैठक में मंत्री आशीष सूद और कार्यालय मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इस बैठक में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित कार्यालय मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजधानी में दिव्यांगजनों के लिए खेल, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं की सुलभता को लेकर विस्तृत चर्चा करना रहा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति अपनी

अक्षमता के कारण समाज की मुख्यधारा से न कटे। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार द्वारा सुगम्य दिल्ली अभियान के तहत सुगमता मानकों के प्रति समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने के साथ-साथ सार्वजनिक और संस्थानों में ऐसे सुधार लागू किए जाएंगे जो दिव्यांगजनों के लिए सुविधाजनक हो। इस अभियान का उद्देश्य दिल्ली को एक स्केलेबल और समावेशी मॉडल में परिवर्तित करना है जो सुगमता को बढ़ावा दे सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह अभियान प्रधानमंत्री द्वारा 3 दिसंबर 2015 को आरंभ किए गए 'सुगम्य भारत अभियान' का नगर-स्तरीय विस्तार है, और इसका उद्देश्य दिल्ली को भारत का पहला 'पर्पल सिटी' यानी समावेश और शहरी सुगमता का आदर्श मॉडल बनाना है। यह अभियान तीन मुख्य स्तंभों—सरकार, समाज और बाजार पर आधारित है, जहां सरकारी संस्थाओं के सहयोग से बुनियादी ढाँचे को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ढाला जाएगा और समाज में सभी 21 विकलांगता श्रेणियों, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय समुदायों को शामिल कर समावेशिता को जमीनी स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि इस पहल का नेतृत्व आईडीईए (समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ) द्वारा किया जा रहा है, जो विकलांग व्यक्तियों के लिए रोजगार, उद्यमिता और सुलभता की दिशा में काम कर रहा है।

दिल्ली में होगा पर्पल फेस्ट का आयोजन

मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक के दौरान सुगम्य दिल्ली अभियान के तहत 'पर्पल फेस्ट' के बारे में चर्चा की गई। साथ ही सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को इस पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि इस फेस्ट के माध्यम से सरकार का उद्धेश्य दिव्यांगजनों की क्षमताओं, प्रतिभाओं और अधिकारों के प्रति समाज में सकारात्मक सोच और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है।

इमारतों में होंगी ये सुविधाएं

इमारतों में रैम्प, लिफ्ट, ब्रेल साइनएज, व्हीलचेयर एक्सेस और ऑडियो-विजुअल सहायता जैसी सुविधाओं को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि दिव्यांगजन बिना किसी बाधा के इन स्थानों तक पहुंच सकें और उनका पूरा उपयोग कर सकें। इसके साथ ही सरकार खेल, शिक्षा और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में दिव्यांगजनों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएं और कार्यक्रम भी शुरू करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है कि 'सुगम्य दिल्ली अभियान' के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी दिव्यांगजन, अवसरों से वंचित न रह जाए। यह पहल न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन है, बल्कि दिल्ली को समानता आधारित राजधानी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम भी है।

दिल्ली सरकार 'ट्रांसजेंडर कल्याण एवं सशक्तिकरण बोर्ड' करेगी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण के लिए ट्रांसजेंडर कल्याण एवं सशक्तिकरण बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि सशक्त और विकसित दिल्ली की दिशा में यह एक प्रभावी और व्यावहारिक निर्णय है। हमारी सरकार सभी को समान अधिकार देने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह बोर्ड ट्रांसजेंडरों को सामान्य जीवन व्यतीत करने का अवसर तो प्रदान ही करेगा, साथ ही उन्हें वाजिब हक भी दिलाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं

- ट्रांसजेंडर समुदाय को गरिमा, अधिकार और अवसर प्रदान करने की दिल्ली सरकार की प्रभावी पहल, अब मिलेगा ट्रांसजेंडर को वाजिब हक

है, बल्कि ट्रांसजेंडर समुदाय को गरिमा, अधिकार और अवसर प्रदान करने की हमारी गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री के अनुसार हमारी सरकार की स्पष्ट सोच है कि दिल्ली एक ऐसी राजधानी बने, जहां कोई भी व्यक्ति अपनी पहचान के कारण वंचित और परेशान न हो। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह बोर्ड नीति निर्माण, कल्याणकारी योजनाओं की अनुशंसा, विभागों के समन्वय और ट्रांसजेंडरों की शिकायतों के निवारण का कार्य करेगा, ट्रांसजेंडरों के लिए पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र का समयबद्ध निर्धारण करेगा। अब ट्रांसजेंडर व्यक्ति अपनी लिंग पहचान को स्वयं प्रमाणित करते हुए ज़िला मजिस्ट्रेट से पहचान प्रमाणपत्र एवं पहचान पत्र प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि ट्रांसजेंडरों को सहज जीवन जीने के लिए दिल्ली सरकार नई पहल करने जा रही है। सरकारी इमारतों में थर्ड जेंडर शौचालयों का निर्माण, सरकारी अस्पतालों में अलग वार्ड और लिंग पहचान आधारित स्वास्थ्य सेवाएं, पहचान पत्र बनाने के लिए पारदर्शी और ऑनलाइन प्रक्रिया, ट्रांसजेंडरों के अधिकारों के लिए शिक्षण संस्थानों और कार्यस्थलों में संवेदनशील एवं जागरूकता अभियान। साथ ही ट्रांसजेंडरों के लिए अस्थायी आश्रय गृह, रोजगार प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ता है जब हर व्यक्ति को उसकी पहचान के साथ गरिमा से जीने का अवसर मिले, इसलिए हम ऐसी दिल्ली का निर्माण करना चाहते हैं जो समानता, सम्मान और समावेशिता की मिसाल बने। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का निर्णय भारत के संविधान में निहित समानता और न्याय के मूल्यों की पुष्टि करता है तथा ट्रांसजेंडर समुदाय को समाज की मुख्यधारा में स्थान देने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल का मार्ग प्रशस्त करता है।

संघर्ष की राह पर अकेला चलने वाला भी रच सकता है इतिहास :सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

संघर्ष की राह पर अकेला चलने वाला भी इतिहास रच सकता है और जब प्रयास जनहित में हो, तो सृष्टि भी साथ देती है। यह बातें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को महर्षि भगीरथ जयंती समारोह में अपने संबोधन में कहीं। दक्षिण दिल्ली स्थित छतरपुर में दिल्ली भारतीय ओड समाज सेवा संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हमें आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या हम भी अपने जीवन में कोई 'गंगा' ला पा रहे हैं? आज के दौर में भगीरथ प्रयास हर उस व्यक्ति की पहचान बन चुका है, जो सीमित संसाधनों में भी समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार एक बेटी, जो परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए कॉलेज जाती है, वह भी भगीरथ है। जब एक शिक्षक, जो सीमित साधनों में बच्चों का भविष्य गढ़ता है, वह भी भगीरथ है। एक मजदूर, जो शहरों की नींव रखता है, वह भी भगीरथ है। भगीरथ केवल इतिहास नहीं हैं, वे हर संघर्षशील भारतीय के भीतर जीवित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जयंती के पावन अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम भी अपने जीवन में कोई ऐसा कार्य करेंगे, जो समाज को दिशा दे, हम संघर्ष से भागेंगे नहीं, बल्कि उसे अपनी साधना बनाएंगे और हम अपनी नई पीढ़ी को सिखाएंगे कि पुराणों के नायक केवल मंदिरों में

- ओड समाज के कार्यक्रम में बोली सीएम, जब प्रयास जनहित में हो, तो सृष्टि भी साथ देती है

नहीं, हमारे मन और कर्म में भी जीवित रहने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली भारतीय ओड समाज सेवा संघ को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देती हूं और आग्रह करती हूं कि हम सब मिलकर महर्षि भगीरथ के आदर्शों को जीवित रखें, संघर्ष करें, समाज को उठाएं, और संस्कृति से जुड़कर विकास की गंगा बहाएं। इस कार्यक्रम में बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, दक्षिण भारतीय नेता अवधूत विनय गुरुजी, बीजेपी प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी, दिल्ली 0के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली मेयर राजा इकबाल सिंह आदि आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में ओड समाज के नेताओं ने अपनी समस्याएं बताईं और ओड समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाटी माइन्स स्थित संजय कॉलोनी को सुविधाएं दी जाएंगी।

आगे बढ़ने के लिए जरूरी है 'वन नेशन वन इलेक्शन': भाजपा

नई दिल्ली। बदलती हुई दुनिया में अगर हमें आगे बढ़ना है तो उसके लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' जरुरी है। हमारे देश में भी चुनाव सही से हो इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संकल्पित है और देश की बेहतरी के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' व्यवस्था होनी ही चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने शनिवार को कॉन्स्टीट्शनल क्लब में आयोजित 'वन नेशन वन इलेक्शन' सेमिनार को संबोधित करते हुए यह संबोधन दिया। बंसल ने कहा कि इसी ध्येय के साथ हमें अब सोचने की जरुरत है। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें प्रमुख हैं खर्च और समय की बचत। भारत के अलग अलग हिस्सों में जब चुनाव होते हैं तो वहां पैसो के साथ साथ सिस्टम और समय की बर्बादी होती है। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यों में जनरल मनोज कुमार मांगो, डॉ राजीव रंजन, सेवानिवृत्त जस्टिस डॉ. डी के अरोड़ा, मुकुल सिंघल, प्रोफेसर डॉ मनोज, दीक्षित, नरेन्द्र नाथ, सी.ए. कमल कांत जैन, सी.ए. हंसराज चुग, वीरेन्द्र सहित कई गणमान्य जनों ने "वन नेशन वन इलेक्शन" को लेकर अपने सकारात्मक विचार एवं सुझाव रखे। सेमिनार को संबोधित करते हुए सुनील बंसल ने कहा कि इस वक्त "वन नेशन वन इलेक्शन" को लेकर हमारे यहां कई चर्चाएं हो रही हैं। इसको लेकर टीवी डिबेट भी हो रही हैं और साथ ही हमारे इलेक्शन कमीशन एवं नीति आयोग के अधिकारियों ने भी काफी चर्चा की है। इसी को लेकर भारत सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी भी बनाई। पार्लियामेंट में भी कमेटी में इसे रखा गया ताकि फिर से इस बिल पर चर्चा हो सके।

सौ फीसद दिव्यांग को नहीं मिल रही पेंशन, बढ़ी परेशानी

दया राम ⏭नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में समाज कल्याण विभाग से मिलने वाली मासिक पेंशन सौ फीसद दिव्यांगता से पीड़ति युवक मोहित शर्मा को गत वर्ष नवम्बर माह से नहीं मिल पा रही है। इसके चलते दिव्यांग और परिवार को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यह मामला ही ऐसा है। वहीं, इस मामले को लेकर दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्रराज ने बताया कि दिव्यांग जन को एक ऐसा गंभीर मामला संज्ञान में आया है और समाज कल्याण मंत्री होने के नाते इस दिव्यांग के लिए जो भी उचित होगा, जल्द से जल्द किया जाएगा।

बता दें कि दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा क्षेत्र के हमींद पुर

गांव में यह दिव्यांग परिवार के साथ रहता है और गत वर्ष नवम्बर माह में पेंशन जांच के सर्वे के दौरान सिर्फ आधार कार्ड नहीं होने के चलते इस दिव्यांग की पेंशन काट दी जाती है और अब इसे लेकर आप भी सोच में पड़ गए होंगे कि यह तो कोई बड़ी और गंभीर बात नहीं है और आधार कार्ड तो अब आसानी से बनवाया जा सकता है और पेंशन फिर से शुरू हो सकती है। लेकिन जब इसी कारण पर उनके पिता श्याम लाल शर्मा से बात हुई तो उन्होंने बताया कि उनका बेटा सौ फीसद दिव्यांग है और एक सेंकेड के लिए भी स्थिर नहीं रह सकता है, आधार कार्ड बनवाने में सक्षम नहीं है और आधार कार्ड बनवाने आधार कार्यालय गए तो फोटो के लिए आंखों और चेहरे को एक पल के लिए भी स्थित नहीं रख पाए। इसी कारण बेटे का आधार कार्ड नहीं बन सका हैं। इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक राजकरण खत्री से भी मदद मांगी गई और उन्होंने संबंधित प्रक्रिया का पालन करने की बात कही। वहीं, इसके बाद दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्रराज से मिले हैं और उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द ही दिव्यांगजन की इस समस्या का समाधान करेंगे।

पहले कैसे बनी थी दिव्यांग की पेंशन

पिता श्याम लाल शर्मा ने बताया कि करीब दस साल पहले दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी की 49 दिन की दिल्ली सरकार थी तब यह पेंशन विधायक नील दमन खत्री के एक पत्र के माध्यम से बनी थी। विधायक खत्री ने दिव्यांग की हालत देखकर यह कार्य करवाया था और गत वर्ष नवम्बर माह में आधार कार्ड नहीं होने के चलते पेंशन काट दी गई।

- पहले विधायक के पत्र से शुरू हुई थी पेंशन
- आधार कार्ड बनवाने में सक्षम नहीं, मंत्री ने दिया आश्वासन

यूरो 5 से नीचे डीजल गाड़ियों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक के खिलाफ ट्रांसपोर्टर जल्द करेंगे बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली को वायु प्रदूषण से राहत देने के लिए यूरो-4 या उससे नीचे की डीजल गाड़ियों पर दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी में रोक से ट्रांसपोर्टरों में रोष बढ़ता जा रहा है। ऐसे में ट्रांसपोर्टरों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस बारे में ट्रांसपोर्टरों के संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के अध्यक्ष डॉ. हरीश सभरवाल ने बताया कि आगामी 29 जून 2025 को पंजाबी बाग क्लब में एक अहम बुलाई गई है, जिसमें दिल्ली सहित कई राज्यों के गाड़ी मालिक शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि रेखा गुप्ता की दिल्ली सरकार ने 1 नवंबर 2025 से सिर्फ बीएस 6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को ही राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति दी है। इसमें सबसे अहम बात है कि यह नियम व्यावसायिक वाहनों पर लागू होगा। जबकि ऐसे वाहनों को दिल्ली में कहीं भी पेट्रोल-डीजल भी नहीं मिलेगा। सरकार के इस कठोर फैसले से ट्रांसपोर्टर्स में भारी नाराजगी है। उन्होंने बताया कि ऐसे में संगठन ने तय किया है कि 29 जून को पंजाबी बाग क्लबमें अहम बैठक होगी जिसमें आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि अप्रैल में आए ऑर्डर की मानें तो आगामी 1 नवंबर से गुड्स व्हीकल यूरो 4 और उसके नीचे की गाड़ियों को दिल्ली में एंट्री नहीं मिलेगी। इस तरह का ऑर्डर 2018-19 में भी आ चुका है। यहीं कमिशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (कैम) के ऑर्डर में जो डीजल गाड़ी 10 साल और पेट्रोल गाड़ी 15 साल चल चुकी है, उन्हें ईंधन नहीं मिलेगा। उन्होंने पूछा कि इसका मतलब यह हुआ कि अब डीजल गाड़ियों की लाइफ 10 साल की समय सीमा से कम करके क्या 5 साल कर दी है। डॉ. हरीश ने कहा कि अब ये कहा जा रहा है कि यूरो 4 या उससे नीचे की गाड़ियों पर भी रोक रहेगी जो सरासर अनुचित है। क्योंकि, यूरो 4 गाड़ियां तो 2020-21 में भी रजिस्टर्ड हुई हैं। क्या, डीजल गाड़ियों की लाइफ 5 साल कर दी? इसका पुरजोर विरोध होगा।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने शनिवार को तैयारियों की समीक्षा की

दिल्ली में 21 जून को 11 खेल परिसरों में आयोजित किया जाएगा योग दिवस : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली में 21 जून को 11 खेल परिसरों में योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस बात की जानकारी दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक करने के बाद दी। गौरतलब है कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने शनिवार को 21 जून को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और 'एक पेड़ मां के नाम-2.0' कार्यक्रमों की तैयारियों की दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव दिल्ली सरकार के अलावा शिक्षा निदेशालय, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, पर्यावरण, वन, दिल्ली नगर निगम, और फायर विभाग के आला अधिकारियों ने भी भाग लिया। सूद ने बताया कि दिल्ली सरकार पहली

बार भारत सरकार के साथ मिलकर आधिकारिक तौर पर दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर रही है। यह 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है इसलिये यह योग दिवस दिल्ली के विभिन्न 11 प्रमुख स्टेडियम/ खेल परिसरों में जिनमें त्यागराज स्टेडियम, ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, झिलमिल कॉलोनी, बवाना, पहलादपुर, भारत नगर, यमुना बैंक, नजफगढ़ स्टेडियम, द्वारका सेक्टर-6, अशोक नगर हॉकी स्टेडियम आदि शामिल हैं में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर योग परिसर पर किसी एक मंत्री को जिम्मेदारी भी दी जाएगी। इस आयोजन में लगभग 20 हजार प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। मुख्य आयोजन स्थल के रूप में छत्रसाल स्टेडियम का चयन किया गया है जहां लगभग 10 हजार प्रतिभागी योगाभ्यास में भाग लेंगे।

आयोजन स्थल पर टी-शर्ट, पानी, जलपान तथा योग मैट की मिलेगी सुविधा

शिक्षा मंत्री सूद ने कहा कि योग आयोजन स्थल पर प्रतिभागियों के लिए टी-शर्ट, पानी, जलपान तथा योग मैट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने सभी जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं। मंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्कूल, कॉलेज समाज के सभी वर्ग के लोगों, योग प्रशिक्षक, सभी सरकारी कार्यलयों के प्रमुखों को योग दिवस के लिए पत्र लिखकर आमंत्रित करें और उनको योग के लिए प्रोत्साहित भी करें। सूद ने कहा की इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वेबसाइट पर किया जाएगा।

दिल्ली सरकार 3 लाख 70 हजार पौधे लगाएगी

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0 अभियान के तहत दिल्ली सरकार भी वर्ष 2025- 26 में 3 लाख 70 हज़ार पौधे जिनमे 1 लाख पौध, 2 लाख झाड़ियां, तथा 70 हज़ार बांस के पौध स्कूलों में, मैन रोड के आस पास तथा बड़े-बड़े पार्कों आदि में लगाएगी। सूद ने कहा कि 9 जून सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शालीमार बाग स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय में पौधारोपण करेंगी। इनके अतिरिक्त स्कूल परिसरों में वृक्षारोपण हेतु जागरूकता अभियान, प्लास्टिक रहित पौधों (मिट्टी के गमले/बोरी) का उपयोग करना, रासायनिक उर्वरकों से बचना एवं पूर्व में लगाए पौधों की देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। सूद ने कहा कि यह अभियान जून जुलाई अगस्त 3 महीने तक चलाया जाएगा।

विश्वस्तरीय होंगे औद्योगिक क्षेत्र, पीपीपी मॉडल पर होगा विकास : सिरसा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र को अब पीपीपी मॉडल से विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्रों के कायाकल्प की शुरूआत भोरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र(बवाना फेज-2) से की जाएगी। दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस बात की जानकारी शनिवार को दी है। उन्हेंने कहा कि उनकी सरकार उद्यमियों की लंबित मांगों पर काम कर रही है और जल्द ही उन्हें पूरा किया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार ने कंसेशनर नियुक्त करने का निर्णय लिया है। औद्योगिक क्षेत्र के कूड़ा उठाने, लाइटिंग, कचरा प्रबंधन सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी (विकास कार्य करने वाली) की होगी। दिल्ली में कुल 10 औद्योगिक क्षेत्र हैं। सिरसा ने बताया कि भोरगढ़ समेत सभी औद्योगिक क्षेत्रों को साफ सुथरा, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाकर एक आदर्श औद्योगिक क्षेत्र बनाया जाएगा। डीएसआईआईडीसी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों का भी एक साल के भीतर विकास किया जाएगा। इन औद्योगिक क्षेत्रों में डीएसआईआईडीसी 85 हजार पेड़ लगाएगी, जिसमें 25 हजार पेड़, 50 हजार झाड़ीदार पौधे और 10 हजार बांस के पौधे होंगे।

बेरोजगार बस मार्शलों ने विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय पर दिया धरना, की नारेबाजी

नई दिल्ली। दिल्ली सिविल डिफेंस के अंतर्गत बेरोजगार बस मार्शलों ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय रोहिणी सेक्टर 9 विनोबा कुंज अपार्टमेंट में अपने नियमित रोजगार की मांग को लेकर धरना दिया और नारेबाजी की। बेरोजगार मार्शल मुकेशपाल सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में बस मार्शल सुबह 9 बजे पहुंच गए तथा दोपहर के 1 बजे तक रोजगार की मांग को लेकर गुहार लगाई। पुलिस बल मौजूद रहा और भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता अपने कार्यालय में 11:30 बजे आ गए थे परंतु बेरोजगार बस मार्शलों के सामने आकर उन्होंने कोई बात नहीं की और कोई आश्वासन नहीं दिया। इस दौरान नरेंद्र कुमार राय, आदित्य राय, शिवम मौर्य, टीटू, आरती, गीता पूर्व बस मार्शल मौजूद रहे।

दिल्ली नगर निगम की 'सुनियो' का फायदा उठा रहे हैं करदाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की 'सम्पत्तिकर निपटान योजना' (सुनियो) का सम्पतिकर दाता जमकर लाभ उठा रहे हैं। नरेला जोन के कर-निर्धारण एवं समाहरण विभाग में संयुक्त कर निर्धारक एवं समाहर्ता मनीष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए सुनियो है और वित्त वर्ष 2020-21 से पहले के सभी बकाया संपत्ति कर व्याज और जुर्माना सहित माफ है। इसे लेकर करदाताओं में उत्साह है और यहां जमावड़ा देखा जा रहा है। यह योजना 1 जून, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक लागू रहेगी। निगम प्रशासन ने सार्वजनिक सूचना भी जारी की है और निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी प्रकार की संपत्तियों के लिए एकमुश्त संपत्ति कर माफी योजना 2025-26 की शुरुआत की गयी है, जिसे 'सम्पत्तिकर निपटान योजना' (सुनियो) "एक प्लस पांच" कहा गया है।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक

जनकल्याण और संगठन की मजबूती है भाजपा की असली पहचान

केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनहित योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना मंडल के कार्यकर्ताओं का कार्य है, कार्यकर्ता जन संवाद और जन सम्पर्क कर घर-घर में सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य करें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भाजपा के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने प्रदेश सरकार की जनहित योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चलाई जा रही योजनाएं आमजन को आत्मनिर्भर बना रही हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की केंद्र सरकार ने हर वर्ग को सशक्त किया है, यही सुशासन का असली रूप है। केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनहित योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना मंडल के कार्यकर्ताओं का कार्य है, कार्यकर्ता जन संवाद और जन सम्पर्क कर घर-घर में सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य करें। भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में भाजपा मंडल अध्यक्षों एवं महामंत्रियों की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई।

बैठक का उद्देश्य मंडलों के संगठन की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना, संगठनात्मक विस्तार की रणनीति बनाना, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करना और बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करने पर बल देना था। बैठक में जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ, सुरेन्द्र जांगड़ा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष कर्मबीर बैंसला, तृप्ति माला, शुभांकित गुप्ता, हरीश बैंसला, राजेश चौधरी, मुकेश झा, गौरव चौधरी, सुधीर मेहता, कृष्ण पहलवान, आईटी कार्यकत्रा गरिमा आहूजा उपस्थित रहे।

रामपाल ने संगठनात्मक कार्यक्रमों की दी जानकारी

5 जून से 5 अगस्त तक एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान
रामपाल ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि 5 जून से 5 अगस्त तक एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान, 13-15 जून मंडल स्तर पर संकल्प सभा, 16-18 जून शक्ति केन्द्र पर चौपाल का कार्यक्रम, 21 जून को योग दिवस के उपलक्ष्य में मंडल स्तर पर योग शिविर लगाना, 23 जून से 6 जुलाई डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस कार्यक्रम, 25 जून जिला स्तर पर आपातकाल दिवस के 50 साल आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा का कार्यकत्रा ही भाजपा की शक्ति है। कार्यकर्ताओं को संगठित, सक्रिय और अनुशासित होकर पार्टी का कार्य करना है। बूथ स्तर पर संवाद, सेवा और संपर्क के माध्यम से हर व्यक्ति तक पहुंच बनानी है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ताओं को सिर्फ संगठन नहीं, समाज के साथ भी जुड़ना होगा, ताकि भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियां हर द्वार तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि जनकल्याण और संगठन की मजबूती ही भाजपा की असली पहचान है।

खबर संक्षेप

होमगार्ड की सतर्कता से खोया हुआ बैग लौटाया

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त सत्येंद्र कुमार गुप्ता के आदेश व डीसीपी ट्रैफिक के निर्देश पर एसीपी ट्रैफिक के मार्गदर्शन में ट्रैफिक पुलिस जनसेवा भावना का परिचय देती है। एक ऐसा उदाहरण देखने को मिला, जब एक व्यक्ति को उसका खोया हुआ सामान लौटाकर सराहनीय कार्य किया।

युवक और युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फरीदाबाद। थाना आदर्श नगर क्षेत्र में अलग-अलग जगह पर युवक व युवती ने फांसी लगाकर

आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस के अनुसार अज्जी कॉलोनी में एक 19 वर्षीय युवती ने अपने घर पर कमरे के अंदर फांसी लगा ली। वह अकेली थी।

नाबालिग से छेड़छाड़ व चोट के मामले में काबू

फरीदाबाद। नाबालिग से छेड़छाड़ करने व नुकीली वस्तु से चोट मारने के मामले में पुलिस ने नाबालिग

सहित 3 आरोपियों को काबू किया है। आदर्श नगर निवासी लडक़ी ने पुलिस थाना आदर्श नगर में शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि 11 मई की रात के समय अपनी नानी के घर से अपने घर जा रही थी। जब वह राठी पार्क के पास पहुंची तो वहां खड़े दो लड़कों ने उसके साथ छेड़छाड़ की।

7 किलो 165 ग्राम गांजा सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। गांजा रखने के आरोप में क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने आरोपी शिवम व राधे श्याम को

गिरफ्तार किया है। 7 जून को क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम गस्त पर थी। इस दौरान सूचना मिली। जिस पर कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवम व राधेश्याम को 7 किलो 165 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने इसे बेचने की फिराक में था।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म,काबू

फरीदाबाद। पुलिस चौकी सेक्टर-19 की टीम ने नाबालिक से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार

किया है।थाना ओल्ड़ फरीदाबाद में एक व्यक्ति ने शिकायत दी, जिसमें आरोप है कि उसकी छोटी बहन घरों में झाडू-पोंछा का काम करती है। जिसको सोनू ने अपना फोन नंबर दिया और बातचीत करने लगा। इसके बाद शादी का झांसा देकर उसकी बहन के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी

1 नंबर मार्केट में गाड़ी रखने की समस्या खत्म करने दो एकड़ में बनेगी बहुमंजिला पार्किंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सबसे व्यस्त एक नंबर की मार्केट में पार्किंग की समस्या को खत्म करने के लिए नगर निगम ने योजना बनाई है। योजना के अनुसार संतों के गुरुद्वारा के पास नगर निगम की दो एकड़ से अधिक जमीन है। इसी जमीन पर बहुमंजिला पार्किंग बनेगी। दो मंजिल बेसमेंट व तीन ऊपर होंगी। यहां 600 से अधिक कार खड़ी हो सकेंगी। इस पार्किंग को बनाने की सिफारिश बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा ने की है। इसके बाद विधायक शनिवार को नगर निगम के मुख्य अभियंता विवेक गिल, अधीक्षण अभियंता ओमबीर सहित अन्य अधिकारियों को लेकर साइट पर गए। वहां देखा गया कि कोई अड़चन तो नहीं है और इस योजना को कैसे धरातल पर उतारना है।

इस योजना के बाद न केवल एक नंबर मार्केट में जाम का समाधान होगा बल्कि यहां ग्राहकों की संख्या और बढ़ेगी। जिससे दुकानदारों को लाभ होगा। विधायक ने कहा कि दुकानदारों की लंबे समय से मांग चली आ रही है। जिसे अब पूरा किया जाएगा।

> पार्किंग को बनाने की सिफारिश बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा ने की है। इसके बाद विधायक शनिवार को नगर निगम के मुख्य अभियंता विवेक गिल, अधीक्षण अभियंता ओमबीर सहित अन्य अधिकारियों को लेकर साइट पर गए।

खास बातें

- 600 से अधिक गाड़ियां खड़ी हो सकेंगी
- बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा ने की सिफारिश

अवैध पार्किंग से छुटकारा मिलने की उम्मीद

फरीदाबाद के बड़े बाजारों में अभी तक निगम की तरफ से कोई बड़ी पार्किंग नहीं बनाई गई है। ओल्ड फरीदाबाद में एक मल्टीलेवल पार्किंग बनकर तैयार है। हालांकि अभी तक एफएमडीए और एचएसवीपी के बीच उसे शुरू करने को लेकर पेच फंसा हुआ है। बाजारों में या तो चालक आड़े-तिरछे अपने वाहनों को खड़ा करते हैं या फिर अवैध रूप से पार्किंग क्षेत्रों में चल रही है। ऐसे में बाजार में जाम की समस्या बनी रहती है। इसलिए यह योजना बनाई है।

एनआईटी मार्केट में करीब तीन हजार से अधिक दुकानें

शहर की सबसे बड़ी एनआईटी एक मार्केट में करीब तीन हजार से अधिक दुकानें हैं। काफी लोग तो जाम की वजह से यहां आने से परहेज करते हैं। जिसका सीधा नुकसान दुकानदारों को उठाना पड़ता है। इतना ही नहीं कभी आग लगने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचने में दिक्कत हो जाती है।

मार्केट के आस पास जाम का होगा समाधान

यहां जाम की समस्या को खत्म करने यह योजना बनाई जा रही है। शहर में पार्किंग की सुविधा लोगों को मिलेगी। इससे जगह-जगह अवैध पार्किंग की समस्या दूर होगी। साथ ही सडकों पर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी।

मेयर ने अधिकारियों के साथ किया दौरा

कहा- लोगों की सहूलियत के लिए खोले जाए सीएफसी सेंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

मानेसर नगर निगम की मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने निगम अधिकारियों के साथ निगम क्षेत्र का दौरा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। लोगों की सहूलियत के लिए सीएफसी सेंटर खोलने की बात भी कही। मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने गांव नैनवाल में निगम की ओर से बनाए जा रहे वृद्धाश्रम का दौरा करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग होना चाहिए। यहां पीने के साफ पानी की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। साथ ही गांव में निगम की ओर से चल रहे अन्य निर्माण कार्यों में भी तेजी लाने के आदेश अधिकारियों को दिए।

गांव नवादा स्थित नगर निगम का दौरा

मेयर ने आईएमटी सेक्टर-2 और गांव नवादा स्थित नगर निगम के कार्यालयों का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से उनके कार्यों की रूपरेखा जानी। मेयर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र काफी बड़ा है। ग्रामीणों को काम करवाने के लिए निगम कार्यालयों में आना पड़ता है। कई बार देखने में आया है कि दूर गांवों से लोग निगम कार्यालय पहुंचते है लेकिन यहां आने पर पता चलता है कि अधिकारी किसी मीटिंग में गए है या वेबसाइट नहीं चल रही होती है। तो ऐसे में हमें ग्रामीणों की सहूलियत को देखते हुए निगम क्षेत्र में 4 सीएफसी सेंटर खोलने चाहिए।

पड़ोसी ही करता था पैसे ट्रांसफर

साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

महिला के खाते से पैसे ट्रांसफर करने के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना बल्लभगढ़ में इज्जत नगर बरेली उत्तर प्रदेश हाल झुग्गी सेक्टर-11 फरीदाबाद की रहने वाली एक महिला ने शिकायत दी। जिसमें आरोप लगाया कि उसके खाता से बिना उसकी जानकारी के 13 मार्च से लेकर 20 अप्रैल तक विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 90,930 रूपए कट गये। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम में मामले में कार्रवाई करते हुए सतेन्द्र निवासी गांव दलीपपुर, बरेली, उप्र को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने महिला के अनपढ़ होने का फायदा उठाया

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शिकायतकर्ता के पड़ोस की झुग्गियों में रहता है और सेक्टर 11 में बिरयानी की रेहडी लगता है। आरोपी ने महिला के अनपढ़ होने का फायदा उठाते हुए महिला के मोबाइल में फोन पे एप डाउनलोड़ किया और उसको एक अन्य एप के माध्यम से छिपा दिया। जब भी उसे पैसे की जरूरत होती तो वह महिला से फोन लेता व उससे पैसे दिल्ली में एक सीएससी के सेंटर के खाता में भेज देता और वहां जाकर केश ले लेता। आरोपी से 3000 रुपए बरामद किए गए। जिसको अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

अवैध हथियार रखने व उपलब्ध करवाने वालों पर प्रहार

अपराध शाखाओं की टीम ने किए 5 आरोपी गिरफ्तार, 3 देसी कट्टा बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अवैध हथियार रखने व उपलब्ध करवाने वालों पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए पुलिस की अपराध शाखाओं की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले 3 आरोपियों को 3 देसी कट्टा सहित व हथियार उपलब्ध कराने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 जून को अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अबजद वासी फरीदाबाद से देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

साथ ही सलमान निवासी आदर्श नगर को इसी मामले में अवैध हथियारों प्राप्त करने के मामले में गिरफ्तार किया है।

वहीं एवीटीएस की टीम ने प्रिंस वासी गांव भूपानी को गुरुग्राम नहर गांव फतेहपुर तगा के पास से एक देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

इसी प्रकार क्राईम ब्रांच बार्डर

की टीम ने मकराना सिंह वासी गांव अहीर खेड़ी रंगवासा जिला इंदौर मध्यप्रदेश हाल झुग्गी एरिया नजदीक ओल्ड रेलवे स्टेशन, फ्रेंड्स कॉलोनी फरीदाबाद को दुर्गा बिल्डर नियर शराब ठेका के पास से एक अवैध देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि क्राईम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने अमन निवासी संजय कॉलोनी, फरीदाबाद को अवैध हथियार उपलब्ध कराने के एक मामले में गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को पुछताछ के बाद माननीय न्यायलय मे पेश कर जेल भेजा गया है।

दुकान से सामान चोरी करने वाले 3 कर्मचारियों को अपराध शाखा डीएलएफ ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

दुकान से सामान चोरी करने के मामले में तीन कर्मचारियों को अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने काबू किया है। पुलिस थाना ओल्ड फरीदाबाद में विक्रम जिंदल ने शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि उसने 6 जून को सेक्टर-29 में स्थित गोदाम पर 150 पंखे उतारने के लिए दुकान से एहसान, प्रिंस व अब्दुल को उतारने के लिए भेजा था। अगले दिन जब उसने स्टॉक काउंट किया तो उसमें कुछ पंखे कम पाये। उसने दुकान पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों से पुछताछ की लेकिन उसे कोई संतुष्टि जनक जवाब नहीं मिला। जिस शिकायत पर पुलिस थाना ओल्ड़ फरीदाबाद में चोरी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया की अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी एहसान निवासी धारसोना, वाराणसी, हाल एनआईटी-1 फरीदाबाद, प्रिंस निवासी काजरा, लख्खीसराय,

बिहार हाल भुपानी, फरीदाबाद व अब्दुल निवासी बसेलवा कॉलोनी, फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

गोदाम से 33 पंखे चुराए

पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी काफी समय से दुकान पर काम कर रहे थे, तो विश्वास में आकर दुकानदार ने गोदाम की चॉबी उन्हीं को दे रखी थी। क्योकि दुकान का जो भी सामान गोदाम पर जाता था या जो सामान गोदाम से दुकान पर लाना होता था सारा काम यही करते थे। इसी बात का फायदा उठाकर तीनों ने गोदाम से 33 पंखे चोरी कर लिए। पुछताछ के बाद आरोपियों को बरामदगी के लिए 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हबीबुल शेख, पुत्रः** अईस शेख **निवासीः** बंगाली बस्ती, प्रकाश विहार, दौलतपुर, शाहबाद डेयरी, दिल्ली ने **FIR. No. 535/19 U/s 379/411 IPC थानाः वज़ीराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हबीबुल शेख** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हबीबुल शेख** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 535/19 U/s 379/411 IPC थानाः वज़ीराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हबीबुल शेख** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
चतेन्द्र सिंह
जेएमएफसी-07, कमरा नं. 32
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6581/N/2025
(Court Matter)

साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने एक आरोपी को किया काबू

क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मोटा लाभ कमाने का लालच देकर की थी 1,17,498 रु. की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मोटा लाभ कमाने का लालच देकर 1,17,498 रूपए की ठगी करने के मामले में साईबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना बल्लभगढ में सेक्टर-3 वासी व्यक्ति ने शिकायत दी, जिसमें बताया कि उसने पंकज साहू की एक ट्रेडिंग मास्टर क्लास को ज्वाइन किया, जहां से शिकायतकर्ता को उसके टेलीग्राम चैनल के बारे में पता चला। जिस पर उसने टेलीग्राम ग्रुप ज्वाइन कर लिया। ग्रुप पर उसने 50 प्रतिशत लाभ कमाने का एक प्रस्ताव देखा। इसके बाद शिकायतकर्ता से ठगो ने व्हाट्सएप के माध्यम से सम्पर्क किया। फिर उन्होंने एक सप्ताह तक उसका ट्रेडिंग खाता का

प्रयोग कर बताएं अनुसार लाभ दियाए जिस पर शिकायतकर्ता को उन पर विश्वास हो गया। कुछ समय बाद उसे इसमें नुकसान हुआ, जिस पर ठगों ने उसको क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने के बारे में सुझाव दिया। जिस पर शिकायतकर्ता ने विश्वास में आकर 25 हजार रुपए का निवेश किया और ठगों ने उसे 1,75,000 रुपए का लाभ होने की बात कही। ठगों ने पैसे निकालने के लिए कमीशन शुल्क व निकासी शुल्क के रूप में शिकायतकर्ता से 38,499 रूपए 43,999 रुपए व 43,999 रुपए और ले लिए लेकिन इसके बाद भी शिकायतकर्ता को कोई पैसा वापिस नही दिया गया। इस प्रकार कुल 1,17,498 रुपए की ठगी हुई। जिस पर साइबर थाना बल्लभगढ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी महेश कुमार निवासी चेतनदास की ठाणी, पलसाना जिला सीकर, राजस्थान को गिरफ्तार किया है।

ठगों के लिए खाता उपलब्ध करवाता था महेश

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी महेश ठगों के लिए खाता उपलब्ध करवाता था। इसने सुखदेव का खाता लेकर विक्रम मीणा को दिया था। जिसके खाता में ठगी के 92 हजार रुपए आये थे, इन दोनों को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी को पुछताछ के लिए 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **रीना पत्नीः** विपिन **पताः** परिसर प्लॉट संख्या 115 के सामने, भूतल, खसरा संख्या 16/18, नवीन प्लेस एक्सटेंशन, नई दिल्ली, ने **Ct Cases/64/2024 U/s 135 Indian Electricity Act थानाः बाबा हरि दास नगर, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रीना,** मिल नहीं रही हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रीना,** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **Ct Cases/64/2024 U/s 135 Indian Electricity Act थानाः बाबा हरि दास नगर, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **रीना,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद कुमार मीना
(एएसजे) विशेष न्यायालय (विद्युत)
कमरा नंबर 609
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/7065/DW/2025
(Court Matter)

10 दिन के अंदर शुरू हो सकते हैं पहले तल पर प्रतिष्ठित राम दरबार में दर्शन

अयोध्या में पांच जून को राम मंदिर के पहले तल पर राम दरबार की स्थापना की गई थी। रामभक्तों को जल्द ही उनके दर्शन करने का मौका मिल सकता है। ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा है।राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को मंदिर परिसर में चल रहे काम और उन पर होने वाली चर्चाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

एजेंसी ⏭ अयोध्या

रामभक्तों के लिए अयोध्या से अच्छी खबर है। 10 दिन के अंदर राम मंदिर के पहले तल पर हाल ही में प्रतिष्ठित राम दरबार के दर्शन शुरू हो जाएंगे। इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट विचार कर रहा है। भगवान राम की नगरी में राम मंदिर निर्माण के बाद अब राम दरबार की स्थापना हो चुकी है। राम मंदिर में राम दरबार की स्थापना के साथ राम मंदिर निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। ऐसे में राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को मंदिर परिसर में चल रहे काम और उन पर होने वाली चर्चाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

मंदिर ट्रस्ट कर रहा विचार

टेंट में विराजमान थे रामलला, वहां सर्वे कर रहा एएसआई

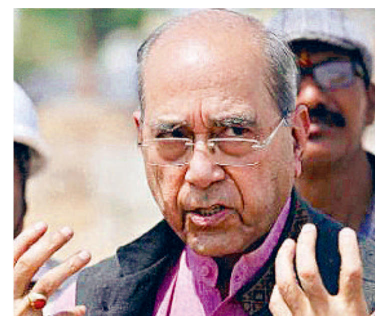

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर के परिसर में राम जन्म स्थान यानी कि जहां पर रामलला टेंट में विराजमान थे, उस स्थल पर एएसआई पुरातत्व विभाग की टीम सर्वे कर रही है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि राम दरबार में 10 दिन के अंदर दर्शन शुरू हो सकता है। राम मंदिर ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा है। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि इस पर चर्चा कर रहे हैं। भगवान के दरबार में जाने और आने को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट व्यापक इंतजाम में जुटा हुआ है।

पुष्करणी कुंड का निर्माण अंतिम चरण में, पंचवटी का तैयार हो रहा मास्टर प्लान

वहीं, राम मंदिर परिसर में सप्तऋषि मंदिरों के बीच में पुष्करणी कुंड का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है। निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पंचवटी निर्माण में प्रकृति से कोई भी छेड़छाड़ नहीं किया जाएगा। यथास्थिति रखते हुए वहां पर पौधे लगाए जा रहे हैं ताकि पशु पक्षियों को पानी पीने और उसका लाभ लेने में कोई असुविधा न हो। इसका निर्माण कार्य कंपनी की ओर से किया जा रहा है। एक महीने में इसका मास्टर प्लान भी लगभग तैयार हो जाएगा।

राम मंदिर के दूसरे तल पर संरक्षित किए जाएंगे दुर्लभ ग्रंथ

नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि भूतल में रामलला विराजमान हो चुके हैं तो प्रथम तल पर उनका पूरा परिवार, इसके साथ मंदिर के दूसरे तल पर ऐसे ग्रंथ जो अपनी परिभाषा में दुर्लभ कहलाए और भगवान राम से संबंधित होंगे, उनको संरक्षित किए जाने का काम किया जाएगा। सभी तलों पर क्या-क्या होगा, इसको निश्चित कर लिया गया है। राम मंदिर के उत्तर दिशा में एक माह के अंदर मंदिर के द्वार का निर्माण पूरा हो जाएगा। इसे 15 अगस्त तक निश्चित तौर पर पूरा कर लिया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय समेत भारत सरकार की कई संस्थाओं ने किया निर्माण में सहयोग

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर में भारत सरकार की अनेक संस्थाओं ने सहयोग किया है। इसमें सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट के अलावा रेल मंत्रालय का सहयोग रहा है। जहां रामलला टेंट में विराजमान थे, वहां एएसआई की टीम सर्वे कर रही है। 500 वर्षों के लंबे संघर्ष पर वहां पुरातत्व विभाग की टीम रिसर्च करेगी। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय कीओर से राम मंदिर में टाइटेनियम की जाली लगाई जा रही है।

खबर संक्षेप

दूल्हे को ग्रामीणों ने पीट-पीटकर मार डाला

गाजीपुर। यहां दिलदारनगर क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में आई बारात में डीजे पर डांस को लेकर ग्रामीणों ने बारातियों के साथ ही दूल्हे और उसके पिता को पीट दिया। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के कारण शादी भी नहीं हो सकी थी। आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया। जहां वाराणसी में इलाज के दौरान दूल्हे ने दम तोड़ दिया।

गोरखपुर-वाराणसी हाइवे पर दिनदहाड़े मर्डर

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर-वाराणसी हाईवे पर बेलीपार के महोव गांव के पास शनिवार को

कार सवार बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक की पहचान भरवलिया के रहने वाले दिनेश निषाद के रूप में हुई है। वह बेलीपार थाने का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपितों की तलाश की जा रही है।

यूपी पर्यटन के साथ समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही ईको विकास समितियां

ईडीसी के माध्यन से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में स्थानीय युवाओं को मिल रहा है रोजगार

टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की ओर से पीलीभीत के चूका(सेल्हा) बराही और चौका खेड़ा में आठ ईडीसी का संचालन हो रहा है जो स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर टूरिस्ट गाइड कैंटीन संचालन के साथ स्थानीय गांवों में सड़क निर्माण सोलर लाइट तालाबों का निर्माण जैसे विकास कार्य भी करवा रही है।

एजेंसी ⏭ लखनऊ

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ईको विकास समिति (ईडीसी) के माध्यम से न केवल

ईको पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा गठित ईडीसी समावेशी विकास में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। सड़क निर्माण, खड़ंजा, सोलर लाइट, जलाशय निर्माण जैसी बुनियादी सुविधाओं में युवाओं का योगदान

टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की ओर से पीलीभीत के चूका , बराही और चौका खेड़ा में आठ ईडीसी का संचालन हो रहा है, जो स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर गाइड, कैंटीन संचालन के साथ स्थानीय गांवों में सड़क निर्माण, सोलर लाइट, तालाबों का निर्माण जैसे विकास कार्य करवा रही है। यह समितियां टाइगर रिजर्व के आसपास के गांवों में सड़क निर्माण, खड़ंजा, सोलर लाइट और जलाशय निर्माण जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास में भी योगदान दे रही हैं।

खास बातें

- सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप वन एवं वन्य जीव विभाग ने बनाई ईको डेवलपमेंट कमेटियां
- पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चूका, बराही, चौंका खेड़ा में संचालित हैं कुल आठ ईडीसी

स्थानीय समुदायों को विकास के साथ आत्मनिर्भर बना रही हैं ईडीसी

सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप वन एवं वन्य जीव विभाग ने ईको डेवलपमेंट कमेटी (ईडीसी) का गठन किया है। टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की मदद से चल रही ईडीसी, प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विकास कार्य में भी योगदान दे रही हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास के गांवों, जैसे चूका (सेल्हा), बराही, और चौंका खेड़ा में वर्तमान में आठ ईडीसी संचालित हैं। ये कमेटियां स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें टूरिस्ट गाइड, कैंटीन संचालन, और जागरूकता अभियानों जैसे कार्यों से जोड़ रही हैं। इसके अतिरिक्त, ये समितियां टाइगर रिजर्व के आसपास के गांवों में सड़क निर्माण, खड़ंजा, सोलर लाइट और जलाशय निर्माण जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास में भी योगदान दे रही हैं। ईडीसी द्वारा किये जा रहे ये कार्य स्थानीय समुदाय के लोगों को शामिल कर समावेशी विकास की अवधारणा को सही साबित कर रही है।

टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की सहायता से संचालित हो रही हैं ईडीसी

टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की ओर से प्रत्येक ईडीसी को प्रति वर्ष लगभग एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस सहायता के माध्यम से कमेटियां अपनी गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करती हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करती हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास संचालित इन ने प्रतिवर्ष 6 से 10 लाख रुपये की आय अर्जित की है। इस आय का उपयोग न केवल कमेटी के संचालन में, बल्कि स्थानीय गांवों के विकास कार्यों में भी किया है।

सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा गठित ईडीसी न केवल क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं बल्कि स्थानीय समुदाय के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कारगर सिद्ध हो रही है। टाइगर रिजर्व फाउंडेशन की ओर से पीलीभीत के चूका(सेल्हा), बराही और चौका खेड़ा में आठ ईडीसी का संचालन हो रहा है, जो स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर टूरिस्ट गाइड, कैंटीन संचालन के साथ स्थानीय गांवों में सड़क निर्माण, सोलर लाइट, तालाबों का निर्माण जैसे विकास कार्य भी करवा रही है।

चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा दांव

सवर्ण, एससी-एसटी के बाद अति पिछड़ा आयोग, नवीन आर्या अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के नेता सभी वर्गों के मतदाताओं को अपने पाले में करना चाहते हैं। राज्य में एक के बाद एक वर्गों के उत्थान के लिए आयोगों का गठन किया जा रहा है और पार्टी में शामिल जाति विशेष के नेताओं को सेट किया जा रहा है। शनिवार को अति पिछड़ा आयोग का गठन किया गया।

अति पिछड़ा आयोग में प्रो. नवीन कुमार आर्य को अध्यक्ष बनाया गया है। नवीन आर्या पटना विशवविद्यालय में प्रोफेसर रह चुके हैं। वे जदयू में नीतीश कुमार के बेहद खास माने जाते हैं। वे पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। पिछले कार्यकाल के परफॉर्मेंस को देखते हुए उन्हें दोबारा यह पद दिया गया है। इनके साथ मधुबनी के रहने वाले केदारनाथ भंडारी को सदस्य बनाया गया है जबकि गया के अमित कुमार को सदस्य के पद पर नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति 3 वर्षों के लिए है।

आश्रम के बाहर मारपीट, पथराव मंदिर पर ताला, पूजा-पाठ बंद

एजेंसी ⏭ मैनपुरी

यहां किशनी के जटपुरा चौराहे पर स्थित रामजानकी आश्रम के 80 वर्षीय महंत सुरेंद्र दास की मृत्यु के बाद उनकी आश्रम के भीतर अंत्येष्टि को लेकर शनिवार सुबह भारी बवाल हो गया। पुलिस-प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप कर शव का अंतिम संस्कार आश्रम के बाहर कराया और अगले आदेश तक मंदिर को सील कर दिया। मंदिर में लोगों के प्रवेश और पूजा-पाठ पर भी रोक लगा दी गई है। आश्रम के भीतर अंत्येष्टि नहीं करने दे रहे महंत रघुनंदन दास के अनुयायियों ने सुरेंद्र दास का शव शनिवार सुबह उठाने की कोशिश की, जिससे दोनों पक्षों में भीषण भिड़ंत हो गई। इस दौरान जमकर हाथापाई और पथराव हुआ, जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

पेज एक का शेष....

राहतः भारत में

गया है।

भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदमः पीएम आवास योजना से लोगों को घर मिले, उज्ज्वला योजना से स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन, जन धन योजना से बैंक खाते, और आयुष्मान भारत से मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। इसके अलावा, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), डिजिटल सेवाओं और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने बताया कि इन सभी प्रयासों से 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। यह उपलब्धि भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रोजगार में हुई वृद्धिः रोजगार वृद्धि में सकारात्मक रुझान देखे गए हैं विशेषकर 2021-22 के बाद से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जैसा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है। 2021-22 से रोजगार वृद्धि ने कामकाजी आयु वर्ग की आबादी को पीछे छोड़ दिया है, खासकर महिलाओं के बीच रोजगार दरों में वृद्धि हुई है। शहरी बेरोजगारी वित्त वर्ष 24-25 की पहली तिमाही में 6.6 प्रतिशत तक गिर गई, जो 2017-18 के बाद सबसे कम है। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि 2018-19 के बाद पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में पुरुष श्रमिकों का स्थानांतरण हुआ है, जबकि कृषि में ग्रामीण महिला रोजगार में वृद्धि हुई है। स्वरोजगार में वृद्धि हुई है, विषेशकर ग्रामीण श्रमिकों और महिलाओं के बीच, जिसने आर्थिक भागीदारी में योगदान दिया है।

ग्रामीण और शहरी इलाकों दोनों में गरीबी तेजी से कम हुईः इस बदलाव में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की बड़ी भूमिका रही है। 2011-12 में इन पांच राज्यों में देश के 65% अत्यधिक गरीब रहते थे। अब इन राज्यों ने गरीबी में कमी के दो-तिहाई हिस्से में योगदान दिया है। अगर पुराने मानक, यानी 2.15 डॉलर प्रतिदिन (2017 की कीमतों पर) की गरीबी रेखा से तुलना करें, तो 2011-12 में भारत की अत्यधिक गरीबी दर 16.2% थी, जो 2022 में घटकर सिर्फ 2.3% रह गई। इस आधार पर 2011 में 205.93 मिलियन (20.5 करोड़) लोग इस सीमा से नीचे थे, जबकि 2022 में यह संख्या घटकर 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई। वहीं ग्रामीण और शहरी इलाकों दोनों में गरीबी तेजी से कम हुई है। ग्रामीण भारत में अत्यधिक गरीबी दर 18.4% से घटकर 2.8% हो गई, और शहरी क्षेत्रों में यह 10.7% से घटकर सिर्फ 1.1% रह गई है। भारत ने बहुआयामी गरीबी के क्षेत्र में भी बड़ा सुधार किया है। 2005-06 में देश की 53.8% आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, जो 2019-21 में घटकर 16.4% और 2022-23 में और गिरकर 15.5% रह गई।

आपदाओं से उबरने ...

विकासशील देशों को बडे महासागरीय देशों के रूप में मान्यता देता है और उनकी कमजोरियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देता है। साथ ही 1999 के भीषण चक्रवात और 2004 की सुनामी सहित कई अन्य आपदाओं से जुड़े हुए भारत के पिछले अनुभवों को याद करते हुए इस बात पर जोर दिया किया कि कैसे भारत ने मजबूती के साथ अनुकूलन एवं पुनर्निर्माण किया। संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात संबंधी आश्रयों का निर्माण किया और 29 देशों को लाभान्वित करने वाली सुनामी चेतावनी प्रणाली की स्थापना में योगदान दिया।

आतंकवाद के अपराधियों ...

बयान के जरिए दी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में बैठक की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा किआज राजधानी में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मिलकर खुशी हुई। भारत पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने तथा आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में समर्थन प्रदान करने के लिए ब्रिटेन की सराहना करता है। हमारी बातचीत भारत और ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी द्वारा की जा रही महत्वपूर्ण प्रगति पर केंद्रित थी। चर्चा में इस बात पर सहमति बनी कि जैसे-जैसे हमारा सहयोग बढ़ता रहेगा और नए अवसर सामने आएंगे। दोनों की बैठक में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ-साथ बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के मामले पर भी विचार-विमर्श किया गया।

एफटीए-दोहरी कराधान संधि से होगा लाभः जयशंकर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हाल के समय में भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और दोहरी कराधान संधि किसी मील के पत्थर से कम नहीं हैं। क्योंकि इनकी मदद से न केवल हमारा दोतरफा व्यापार और निवेश बढेगा। बल्कि आपसी संबंधों से जुड़े हुए अन्य रणनीतिक पहलुओं पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पडेगा। इसके अलावा दोनों देशों द्वारा उठाए गए यह कदम सप्लाई और वैल्यू चेन को भी मजबूत बनाने में अहम भागीदारी करेंगे। लैमी की पिछली भारत यात्रा का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि उस दौरान हमने कई सराहनीय कदम उठाए थे, अच्छी प्रगति जारी है। इनमें तकनीकी सुरक्षा कदम जो सामरिक तकनीक क्षेत्र जैसे एआई, सेमीकंडक्टर, टेलीकॉम, क्वांटम, हेल्थ टेक, बायोटेक, जटिल खनिज और एडवांस खनिज शामिल हैं।

जल्द होगी सामरिक निर्यात संवाद बैठकः उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जो सामरिक निर्यात और तकनीकी सहयोग संवाद जारी किया गया है। उसे लेकर मुझे विश्वास है कि उसकी पहली बैठक इस सप्ताह होगी। जिससे हमें जटिल तकनीक के क्षेत्र में व्यापार, लाइसेंस के समाधान और नियामक विषयों का समाधान निकलेगा। इसी तरह से यूके-इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशियल ब्रिज के कदम से ब्रिटेन से भारत तक लंबी अवधि का पूंजीगत प्रवाह हो सकेगा। यह निश्चित रूप से हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में योगदान करेगा। शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच अच्छा सहयोग है। कई विश्वविद्यालय हैं, जिन्हें लेकर जयशंकर ने उम्मीद जताई कि ये अपना कैंपस भारत में भी खोलने की योजना बनाएंगे। इसी प्रकार से लोगों का लोगों के बीच संबंध को बढावा देने के लिए मैनचेस्टर और बेलफास्ट में दो नए कांसुलेट खोले गए हैं।

इंदौर के राजा-....

की सुरक्षित वापसी हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने शिलांग में मौजूद सोनम के भाई गोविंद से फोन पर बात की और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीआई जांच का अनुरोध किया है साथ ही केंद्रीय ग्रह मंत्री अमित शाह से भी इस संबंध में फोन पर चर्चा की। रघुवंशी समाज का प्रतिनिधिमंडल शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात करने के लिए पहुंचा था। मुलाकात के दौरान इस केस को सीबीआई को सौंपने को लेकर भी बात हुई। बता दें कि दंपती के लापता होने के 11 दिन बाद खाई से राजा का शव बरामद किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया की राजा की हत्या पेड़ काटने वाले हथियार से की गई थी। पुलिस ने बाद में हत्या में उपयोग किया गया हथियार भी बरामद किया था। सोनम अभी भी लापता है। एक सीसीटीवी वीडियो में दोनों को होटल के बाहर देखा गया है। इस वीडियो में सोनम वही कपड़े पहने नजर आ रही है, जो राजा के शव के पास मिले थे। आशंका जताई जा रही है कि सोनम की भी मौत हो चुकी है। सोनम का भाई लगातार शिलांग में बना हुआ है और सोनम की तलाश कर रही टीम के साथ संपर्क में हैं। उत्तर पूर्वी राज्यों में मानव तस्करी का एंगल भी सामने आया है। सोनम के भाई ने कहा कि उन्हें अंदर से ऐसा लग रहा है कि सोनम जिंदा है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने राजा की हत्या करके सोनम का अपहरण कर लिया और उसे बांग्लादेश ले गए।

साल 2021 में देश...

रिपोर्ट के मुताबिक, पंजीकृत मौतों की संख्या 2021 में 102.2 लाख से घटकर 2022 में 86.5 लाख हो गई, यानी इसमें 15.4 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों का बड़ा योगदान रहा।

डब्ल्यूएचओ का अनुमान गलतः लोकसभा में 29 जुलाई 2022 को दी गई जानकारी के अनुसार, 26 जुलाई 2022 तक भारत में कोविड-19 से लगभग 5.26 लाख मौतें दर्ज की गईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में 47 लाख से ज्यादा कोविड से जुड़ी मौतों का अनुमान लगाया था। इस पर सख्त एतराज जताते हुए भारत सरकार ने इसे गलत करार दिया था। सरकार ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की गणना में कई गलतियां और गलत मान्यताएं थीं, जबकि भारत ने रजिस्ट्रार जनरल का प्रकाशित सटीक सीआरएस डाटा डब्ल्यूएचओ को पहले ही मुहैया करा दिया गया था।

2022 में जन्म पंजीकरण में हुआ 5.1 फीसदी का इजाफाः रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 2.54 करोड़ जन्म पंजीकृत किए गए। 2021 में 242 लाख जन्मों की तुलना में यह 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी है। 2022 में पंजीकृत जन्म 254.4 लाख रहे। जन्म पंजीकरण में 2021 के मुकाबले 2022 में ज्यादातर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बढ़ोतरी हुई, लेकिन बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, लद्दाख और लक्षद्वीप में इसमें गिरावट देखी गई। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, कर्नाटक, गुजरात, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और असम इन नौ बड़े राज्यों ने 2022 में जन्म वृद्धि में अहम योगदान दिया। हालांकि, पश्चिम बंगाल और बिहार में 2021 की तुलना में जन्म पंजीकरण में छह अंकों की कमी देखी गई।

ऑपरेशन सिंदूर को...

तीनों सेनाएं (सेना, वायुसेना और नौसेना) पूरी मुस्तैदी के साथ देश की सरहदों और उससे लगे हुए अन्य इलाकों में चौबीसों घंटे तैनात हैं। अब अगर दुश्मन की तरफ से पहलगाम जैसे हमले की पुनरावृत्ति की गई तो उसे भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानते हुए करारा जवाब दिया जाएगा। पहलगाम हमले में कुल 26 निर्दोष लोगों की उनका धर्म पूछकर बेहद निर्मम तरीके से आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। जिनमें से 25 भारतीय और 1 नेपाल का नागरिक था। ये सभी पर्यटक थे और पहलगाम घूमने के लिए गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी पाक समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के छद्म आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। पाकिस्तान ने हमेशा की तरह इस हमले में उसकी कोई भागीदारी होने से इंकार किया। लेकिन भारत द्वारा घरेलू से लेकर वैश्विक स्तर पर रखे गए पुख्ता सबूतों के जरिए दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। आतंकवाद के मामले पर पाकिस्तान बेनकाब हो गया है।

अभी समाप्त नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूरः भारत ने 7 मई की कार्रवाई के बाद कई मौकों पर ये साफ कर दिया है कि अभी ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। इसे फिलहाल अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में यह स्पष्ट कर दिया गया था कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के खिलाफ भविष्य में किए जाने वाले ऐसे किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई के तौर पर देखा जाएगा। उसके खिलाफ भारत का जवाब भी उसी अंदाज में दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भविष्य में पाकिस्तान से कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद और उसके द्वारा अवैध ढंग से कब्जाए हुए पीओके को खाली कराने के मुद्दे पर ही होगी। आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पाकिस्तान को दी गई अपनी हालिया चेतावनी में कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय नौसेना केवल मोर्चे पर तैनात थी। भविष्य में पाक ने कोई गलती की तो अब सैन्य अभियान की शुरुआत नौसेना ही करेगी। उस समय पाकिस्तान के दो नहीं चार टुकड़े हो जाएंगे।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की अहम भूमिकाः ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की नई सोच के साथ आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई जीरो टॉलरेंस की नीति और मामले पर पाकिस्तान को दुनिया भर में बेनकाब करने के लिए भारत सरकार द्वारा विश्व के लगभग 33 देशों में भेजे गए 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की भूमिका बेहद अहम रही है।

इनके विश्व भ्रमण से न केवल पूरी दुनिया को साफ शब्दों में ये संदेश चला गया है कि अब भारत किसी और आतंकी हमले को कतई बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। साथ ही उन्होंने आतंकवाद की सबसे बडी शरणस्थली के रूप में पाकिस्तान की मौजूदगी को भी दुनिया के सामने बुरी तरह से एक्सपोज करके रख दिया है।

पाक की शर्मनाक हार का प्रतीकः पीएमः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 6 जून को ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा था कि अब ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनकर पाकिस्तान को अपनी शर्मनाक हार याद आएगी।

एक-लापरवाही पर भड़के ब्रजेश पाठक, लगाई फटकार

एजेंसी ⏭ बाराबंकी

यूपी के बाराबंकी में सरकारी अस्पतालों से दो तस्वीरें सामने आईं। एक जिला अस्पताल से जहां डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे थे। दूसरी वहां से कुछ दूर स्थित सिरौली गौसपुर स्थित संयुक्त चिकित्सालय से। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें यहां गंदगी मिली। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं पर लापरवाही भी देखने को मिली। इस पर उन्होंने जिम्मेदारों को कड़ी फटकार लगाई। वहीं सिरौली गौसपुर स्थित संयुक्त चिकित्सालय में सड़क दुर्घटना में घायल अयोध्या प्रसाद (55) को संयुक्त चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती तो कर लिया गया। अयोध्या के साथ मौजूद राज प्रकाश ने बताया कि ब्रेक लगाने से बाइक का संतुलन बिगड़ा और बाइक गिर गई। अयोध्या गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टर ने टांके लगाने के बाद ग्लूकोज चढ़ाना शुरू किया। लेकिन बोतल को स्टैंड की बजाय मरीज की कमर पर रख दिया।

आरा से चिराग पासवान का शंखनाद मुजफ्फरपुर में कुशवाहा का शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी ⏭ पटना

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा के बीच चुनावी शंखनाद करने जा रहे हैं। रविवार 8 जून को लोजपा (रामविलास) की शाहाबाद क्षेत्र में एक बड़ी जनसभा होगी। जिसको चिराग पासवान संबोधित करेंगे। आरा में होने वाली इस रैली पर बिहार की राजनीति की नजरें टिकी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ एनडीए के एक और सहयोगी उपेंद्र कुशवाही की राष्ट्रीय लोक मोर्चा मुजफ्फरपुर में रैली करने जा रही है। जिसे संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार महारैली नाम दिया गया है।

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

ते जी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

ह र रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

{ लाइफस्टाइल .... शैलेंद्र सिंह }

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

कि सी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिं दी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

रा मलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

तेजी से पांव पसार रहा कोरोना, हाईकोर्ट के जज सहित 50 में संक्रमण की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

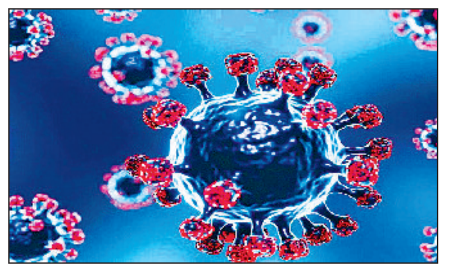

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेजी से कोरोना के मामले सामने आए हैं। शहर में एक साथ कोरोना के 10 मरीज मिले हैं। सभी मरीज अलग-अलग इलाकों में मिले हैं। इनमें गुलाब नगर, राजकिशोर नगर, हेमूनगर व नेहरू नगर क्षेत्र शामिल हैं। कोरोना संक्रमितों में हाईकोर्ट के एक जज भी शामिल हैं। सभी मरीजों को होम आईसोलेट किया गया है। अब तक राज्य में कुल 1183 लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 50 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि सभी संक्रमितों में सिर्फ सामान्य सर्दी-खांसी जैसे हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है। 5 जून 2025 को पूरे राज्य के अस्पतालों में कोविड-19 की रोकथाम एवं उपचार की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान सभी जिलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की तरफ से निर्देश दिए गए हैं कि राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल कोविड-19 के संदिग्ध मामलों की निगरानी करें, आवश्यक जांच कराएं, और समय पर सैंपल परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

डीएससी समाज के प्रतिनिधिमंडल से मिले मुख्यमंत्री सैनी, बोले

3,500 भर्तियों में 605 पद डीएससी समाज और 604 अन्य अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित : नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को संत कबीर कुटीर पर प्रदेशभर से आए डीएससी समाज के प्रतिनिधिमंडल से मिल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समाज ने जो यह सम्मान की पगड़ी मेरे सिर पर रखी है, यह सम्मान समाज का है और मैं इस सम्मान को कभी कम नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि आज डीएससी को उसका अधिकार और सम्मान मिल रहा है। हाल ही में जो लगभग 3,500 भर्तियों की घोषणा हुई है, उसमें 605 पद डीएससी समाज के लिए और 604 पद अन्य अनुसूचित जातियों के लिए हैं। यह सामाजिक न्याय की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि डीएससी समाज ने काफी संघर्ष किया और आज उस संघर्ष के सुखद परिणाम सामने आए हैं। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियां सशक्त और मजबूत होंगी। सैनी ने कहा कि इस देश की असली ताकत हमारे गरीब, श्रमिक और वंचित वर्ग के लोग हैं। यही लोग अपने पसीने और मेहनत से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में इन मेहनतकश वर्गों को जो सम्मान और अधिकार दिए हैं, वह कांग्रेस कभी नहीं दे पाई। कांग्रेस ने अपने परिवार के हितों को प्राथमिकता दी और आम जनता, समाज और देश की चिंता नहीं की। आम जनता की अपेक्षाओं की अनदेखी की।

सिरसा में 11 जून को संत कबीर जयंती मनाई जाएगी

कांग्रेस ने अंबेडकर को नहीं दिया सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान, जिसे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने राष्ट्र को प्रदान किया, आज हमारे लोकतंत्र की मूल आत्मा है। संसद के भीतर अध्यक्ष भी इसी संविधान की देन है, लेकिन दुर्भाग्यवश, कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अंबेडकर को कभी सम्मान नहीं दिया और आज भी कांग्रेस पार्टी जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद या न्यायपालिका पर टिप्पणियां करती है तो यह सिर्फ इनका नहीं, बल्कि स्वयं डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके बनाए संविधान का अपमान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान और कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने किया लोकार्पण

आलोट को सांदीपनी और जवाहर नवोदय विद्यालय भवन की सौगात

मुख्य मार्ग से नवोदय विद्यालय तक सड़क का निर्माण किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है।

प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। रतलाम के आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टाफ क्वार्टरों तथा 35 करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वीं एवं 12वी बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जवाहर नवोदय विद्यालय से मुख्य मार्ग से जोडने वाली सड़क का निर्माण किए जाने की घोषणा की।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है मप्रः सीएम

सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैः डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैं। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मप्र की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। आलोट में क्षिप्रा-चंबल नदी संगम स्थल पर पर्यटन का विकास किया जाएगा। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं। शिक्षा ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। भारत में साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है, जिसमें नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

1 से 15 किमी दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी रहेगी उपलब्ध

मप्र सरकार ने राज्य में सर्व-सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है, जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से पहचाने जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विजन के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालय आलोट में आसपास के 1600 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेंगे, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस विद्यालय में 1 किमी से 15 किमी दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषय-वार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किए गए है।

युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षाः प्रधान

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चेतन्य काश्यप उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक पगड़ी, शॉल एवं पारंपरिक पेन्टिग भेंट कर किया गया।

पटवारी बोले, व्यापमं घोटाले में शामिल आज तक एक भी आरोपी को सजा नहीं मिली

भोपाल। प्रदेश में कांग्रेस ने एक बार फिर व्यापमं घोटाले का मुद्दा उठाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि व्यापमं घोटाले में सिर्फ घोटाला ही नहीं हुआ, बल्कि न्याय की हत्या हुई।

आज तक एक भी आरोपी को सजा नहीं मिली, सब बरी हो गए। उन्होने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेस के माध्यम से पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गैंग के माध्यम से फर्जी उम्मीदवारों को बैठाया गया। अब तक 16 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही। इससे पहले पटवारी भर्ती, प्राथमिक शिक्षक भर्ती, और कई अन्य परीक्षाओं में भी यही पैटर्न रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों युवाओं के सपनों की कब्र खोदने में सरकार लगी है।

प्रतिनियुक्ति के विरोध में मंत्रालय में चलेगा हस्ताक्षर अभियान

भोपाल। वित्त विभाग में पदोन्नति के 15 पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने को लेकर से मंत्रालय कर्मचारी संघ विरोध में आ गया है। शुक्रवार को मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ की आपात बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पदोन्नति के 15 पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने के विरोध में मंत्रालय में हस्ताक्षर अभिया चलाया जाएगा।

संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक और कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल ने बताया कि एक तरफ नौ वर्ष से पदोन्नतियां बंद हैं और दूसरी तरफ मंत्रालय में पदोन्नति के पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने की तैयारी की जा रही है। इससे प्रतिवर्ष 49 कर्मचारी पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे। दूसरी तरफ जिन कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति पर लाया जा रहा है वे स्वयं मंत्रालय में आने के इच्छुक नहीं हैं। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी समिति की आपात बैठक में इस निर्णय के विरुद्ध हस्ताक्षर अभियान चलाने का फैसला किया गया।

किशोरियों के जीवन को बेहतर बना रही 'सहेली की उड़ान'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

- मई 2019 में स्वतालीम फाउंडेशन ने एचएसएसपीपी के साथ साझेदारी में एक कार्यक्रम की शुरुआत की
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषा सीखना, जीवन कौशल और प्रारंभिक अंग्रेज़ी अधिगम सीखना है

स्वतालीम फाउंडेशन वंचित ग्रामीण किशोरियों को बेहतर जीवन के अवसर प्रदान करने और उन्हें अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने में सहायता करने के लिए कार्यरत है। मई 2019 में, स्वतालीम फाउंडेशन ने एचएसएसपीपी के साथ साझेदारी में एक कार्यक्रम 'सहेली की उड़ान' की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भाषा सीखना, जीवन कौशल और प्रारंभिक अंग्रेज़ी अधिगम सीखना है। स्वतालीम, एचएसएसपीपी और एससीईआरटी के संयुक्त प्रयास से हरियाणा के सभी जिलों की केजीबीवी की शिक्षिकाओं, वार्डन और रसोइयों के लिए आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 4 जून से 7 जून 2025 तक एससीईआरटी गुरुग्राम में दो बैचों में आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया गया। इनमें प्रारंभिक **अंग्रेज़ी भाषा का परिचय :** फॉनिक्स का परिचय, एआई को अंग्रेज़ी भाषा शिक्षण में एकीकृत करना, कौशल विकास, तथा श्रवण एवं वाचन गतिविधियों को रोचक बनाना, व्यक्तिगत स्वच्छता और बाल **सुरक्षा का परिचयः** विश्वसनीय वयस्कों की भूमिका को समझना और हॉस्टल में सुरक्षा से जुड़ी नीतियों को लागू करना। और किशोरियों को विशेष पोषण संबंधी देखभाल की आवश्यकता को **समझनाः** सामान्य पोषक तत्वों की कमी, संतुलित आहार का परिचय, स्वस्थ विकल्पों की खोज और खाद्य लेबल पढ़ना सीखना।

दो नक्सलियों की हुई पहचान, पांच नक्सलियों की शिनाख्त फिलहाल बाकी

हर दिन मारे जा रहे नक्सली, सभी सातों शव बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

पांच जून को केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ गौतम मारा गया। उसके बाद छह जून को तेलंगाना स्टेट कमिटी मेंबर भास्कर को ढेर किया गया। 6 जून की शाम को हुई मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। 7 जून शनिवार को जारी मुठभेड़ में दो और नक्सली मारे गए, कुल सात नक्सलियों को जवानों ने मौत की नींद सुला दिया गया है। सभी सातों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

दो नक्सलियों की पहचान हो गई है। पांच नक्सलियों की शिनाख्त बाकी है। इससे पहले छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में फोर्स और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में करीब एक करोड़ रुपये के इनामी खूंखार नक्सली नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधारक को जवानों ने ढेर कर दिया था। सुधाकर नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी (सीसीएम) का मेंबर था। उस पर अलग-अलग राज्यों में कुल मिलाकर करीब एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। माओवादियों के बड़े कैडर तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडर्स के जमा होने की सूचना पर संयुक्त फोर्स नक्सल आपरेशन पर निकली थी। इसमें डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान पर भेजा गया था। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने एक बार फिर दोहराया है कि वे क्षेत्र में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। साथ ही शेष माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की गई है।

मोस्ट वांटेड हिड़मा की तस्वीर आई सामने

बस्तर में लगातार चल रहे नक्सल ऑपरेशन के बीच नक्सली संगठन में सबसे ज्यादा चर्चित मोस्ट वांटेड माओवादी हिड़मा की तस्वीर सामने आई है। गौरतलब है कि एक करोड़ के इनामी, नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी का मेंबर और मास्टरमाइंड कहे जाने वाले माड़वी हिड़मा की 25 साल पुरानी तस्वीर ही सुरक्षा इंटेलिजेंस के पास अब तक रही है। लगातार चल रहे एनकाउंटर के बीच एक और तस्वीर निकलकर आई है जो माड़वी हिड़मा की पहचान ताजा करती है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर 10 साल पुरानी हो सकती है, क्योंकि माडवी हिड़मा की उम्र 50 से 55 साल बताई जाती है और तस्वीर से 40 से 45 साल की उम्र का अंदाजा लगाया जा रहा है।

माओवादी संगठन फॉलो करता है प्रोटोकॉल

माड़वी हिड़मा का तीन से पांच लेयर का सुरक्षा घेरा होता है और आमतौर पर माओवादी संगठन हिड़मा को लेकर प्रोटोकॉल फॉलो करता है। हर किसी को हिड़मा से मिलने की इजाजत नहीं होती, यहां तक की माओवादी संगठन के कैडर को भी नहीं। हिड़मा कभी किसी कार्यक्रम में भी शामिल नहीं होता और ना ही मीडिया से रूबरू होता है।

ताइवान के चाओयांग विवि से प्रोफेसर अच्युत सामंत को मिली मानद डॉक्टरेट की उपाधि

भुवनेश्वर। शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता और कीट-कीस के संस्थापक प्रोफेसर अच्युत सामंत को ताइवान के चाओयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीडब्ल्यूयूटी) ने मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की है। शनिवार को आयोजित विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह में प्रोफेसर अच्युत सामंत को औपचारिक रूप से यह मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई। गौरतलब है कि यह प्रोफेसर अच्युत सामंत की 68वीं मानद डॉक्टरेट की डिग्री है। प्रोफेसर अच्युत सामंत को शिक्षा के माध्यम से समाज के विकास में उनके उत्कृष्ट व अभूतपूर्व योगदान के लिए इस मानद डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया है। इसके लिए सीडब्ल्यूयूटी की अकादमी परिषद और प्रबंधन बोर्ड ने प्रोफेसर अच्युत सामंत के

नाम की अनुशंसा की और सर्वसम्मति से प्रोफेसर अच्युत सामंत को डॉक्टरेट की मानद उपाधि देने का निर्णय लिया। वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान प्रोफेसर अच्युत सामंत ने आभार प्रदर्शन में चाओयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों को एक ओजस्वी भाषण दिया जिसमें उनकी असाधारण कामयाबी का श्रेय उनके पुरुषार्थ, तपस्वी और त्यागमय जीवन को जाता है। सम्मान प्राप्त करते हुए प्रोफेसर सामंत ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया और कहा कि वे पिछले तीन दशकों से अधिक समय से शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अथक परिश्रम कर रहे हैं। यह पुरस्कार भविष्य में उन्हें शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने के लिए और अधिक प्रेरित करेगा, प्रोफेसर अच्युत सामंत ने कहा। इस समारोह में विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ताओ-मिंग चेंग सहित कई गणमान्य मेहमान, विद्वान और छात्र आदि उपस्थित थे।

रिलायंस डिजिटल का 'शॉप एंड विन' 30 करोड़ तक के इनाम

- शॉपिंग अनुभव को अच्छा और मज़ेदार बनाने के लिए उठाया कदम,

मुंबई। इंडिया के लीडिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल अपने आकर्षक शॉप एंड विन अभियान के लॉन्च के साथ आपके शॉपिंग अनुभव को बनाने वाले हैं थोड़ा और मज़ेदार, यहां आपको मिलेगा एक ऐसा मौका जहां हर खरीदारी पर आप जीतेंगे बड़े इनाम। 31 अगस्त तक, रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, माय जियो स्टोर्स और reliancedigital.in पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों को रू. 30 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका मिलेगा, जिसमें 25 कार, 40 बाइक, 450+ इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स, लैपटॉप और वॉशिंग मशीन खरीदने वालों के लिए निश्चित उपहार शामिल हैं। इसके अलावा, 15 जून तक ICICI बैंक कार्ड्स का उपयोग करके रुपये 15000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठाएं. लैपटॉप खरीदने वालों को रुपये 1 करोड़ के प्राइज़ पूल से स्कॉलरशिप जीतने का भी मौका मिलेगा। मौका न चूकें, आज ही शॉपिंग करें और हर खरीदारी को

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पुनीत चंदोक पुत्र स्व. कुलदीप चंदोक पताः सी–4/137–ए, केशवपुरम, दिल्ली दुसरा पता बी–2/03, निर्मल छाया, वीआईपी रोड जीरकपुर जिलाः मोहाली पंजाब ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 397/16 धारा 419/420/467/468/471/120बी/34 भा.द.स. के तहत** थानाः केशवपुरम, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **पुनीत चंदोक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **पुनीत चंदोक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 397/16 धारा 419/420/467/468/471/120बी/34 भा.द.स. के तहत थाना केशवपुरम, दिल्ली के उक्त पुनीत चंदोक** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दिव्या अरोड़ा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04
उतरी पश्चिम, कमरा नं.112, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/7045/NW/2025

रूस और यूक्रेन जंग चौथे वर्ष में प्रवेश कर गई है। हाल फिलहाल में इस जंग के खत्म होने के आसार नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूस व यूक्रेन जंग समाप्त कराने के अपने दावे में बुरी तरह फेल साबित हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूरोप के आगे ट्रंप की रणनीति की एक न चली। यहां तक कि यूक्रेन तक ने घास नहीं डाली। ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के उदासीन होने से नाटो में ही गहरे मतभेद उभर गए हैं। यूरोप जिस शिद्दत से यूक्रेन के साथ खड़ा हुआ है और अमेरिकी प्रभाव के बिना यूक्रेन ने रूस के खिलाफ ऑपरेशन स्पाइडर वेब को अंजाम दिया है, उसके बाद से स्थिति और उलझ गई है। रूस घायल शेर की तरह हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में जवाबी हमले की बात कह कर रूस ने बड़ी ताकत से यूक्रेन के अंदर राजधानी कीव तक हमला किया है। यूक्रेन को भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब के चलते ही तुर्किये में प्रस्तावित शांति वार्ता में रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम पर कोई बात नहीं हुई। अब सवाल है कि आखिर यह युद्ध चलता ही रहेगा? रूस या यूक्रेन में से शांति की पहल कौन करेगा? नाटो का क्या होगा? यूरोप से अलग अमेरिका कहां खड़ा है? क्या ट्रंप पुतिन को मना पाएंगे? जंग जारी रखने में यूरोप को क्या फायदा है? इन्हीं सब सवालों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

खतरनाक मोड़ पर यूक्रेन बनाम रूस जंग

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

यूक्रेन और रूस के मध्य जारी युद्ध वस्तुतः फरवरी 2014 में ही प्रारम्भ हो गया था, जबकि रूसी सेना द्वारा क्रीमिया पर बलपूर्वक अपना सैन्य आधिपत्य स्थापित कर लिया गया। सर्वविदित है कि सोवियत संघ के पराभव के तत्पश्चात वर्ष 1991 में यूक्रेन सोवियत संघ से पृथक होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया और क्रीमिया उसका अभिन्न अंग था। क्रीमिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूक्रेन के अभिन्न इलाके के तौर पर मान्यता प्राप्त है। रूस और यूक्रेन के मध्य विवाद प्रारंभ में क्रीमिया और डोनबास के कुछ क्षेत्र के आधिपत्य था। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन में शामिल होने का इरादा जाहिर किया तो फिर राष्ट्रपति पुतिन ने सख्त ऐतराज जाहिर किया और तर्क दिया कि यूक्रेन के नाटो में शामिल हो जाने के बाद नाटो की फौज रूस की सरहद तक आ जाएंगी। 22 फरवरी सन् 2022 में राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस की सेना ने यूक्रेन पर अपनी संपूर्ण ताकत के साथ आक्रमण अंजाम दिया। प्रारंभ में ऐसा प्रतीत हुआ कि रूस की शक्तिशाली और विशाल सेना के समक्ष यूक्रेन की छोटी सी और अपेक्षाकृत कमजोर सेना कदाचित अधिक दिनों तक टिक नहीं पाएगी।

युद्ध से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त

रणनीतिक कयास को एकदम गलत साबित करते हुए और अत्यधिक क्षति उठाने के बावजूद आज भी युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले निरंतर कमजोर होता हुआ रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि हाल के कुछ वर्षों में रूस भारत को तेल निर्यात करने वाला सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। अप्रैल 2025 में भारत ने अपनी जरूरत का तकरीबन 40 फीसदी तेल रूस से आयात किया है। यूक्रेन और रूस के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में अत्यंत तीव्रता आ जाने से युद्ध एक खतरनाक दौर में पहुंच गया है। यूक्रेन द्वारा ड्रोन आक्रमणों में रूसी वायु सेना के तकरीबन 40 लड़ाकू बमवर्षक विमानों को तबाह कर दिया गया। यूक्रेन की वायु सेना ने रूस के सरहदी इलाकों को रौंदते हुए हजारों किलोमीटर तक रूस के अंदर

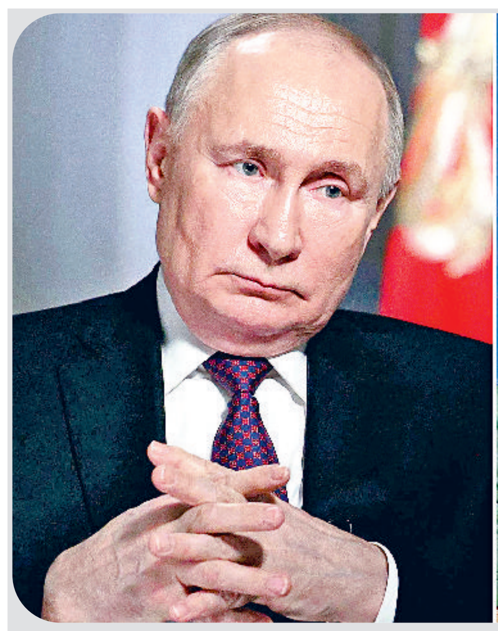

घुसकर पांच सैन्य ठिकानों पर भीषण आक्रमण अंजाम दिए। वहीं, अमेरिकन कूटनीतिक सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी के पश्चात ही यह भीषण आक्रमण यूक्रेन द्वारा अंजाम दिया गया था। आधिकारिक तौर पर यूक्रेन प्रशासन और अमेरिकन प्रशासन ने अपने अपने बयानों में फरमाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन के इस आक्रमण की कदाचित कोई जानकारी नहीं थी। यूक्रेन की सेना के भीषण आक्रमण का समुचित प्रति उत्तर देते हुए रूसी सेना द्वारा अभी तक का सबसे बड़ा आक्रमण यूक्रेन पर अंजाम दिया गया। बड़े पैमाने पर यूक्रेन पर किए गए आक्रमण में यूक्रेन की राजधानी कीव सहित यूक्रेन के अनेक प्रमुख शहरों को निशाना बनाया। जिसके फलस्वरूप यूक्रेनी सेना के अनेक ठिकाने नष्ट कर दिए गए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिकों को हलाक कर दिया गया।

युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें

रूस और यूक्रेन के मध्य यह भीषण युद्ध तब अंजाम दिया गया है, जबकि इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के मध्य शांति वार्ता आयोजित होने वाली है। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन से युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें की जाती रही है। लेकिन रूस पर अंजाम दिए गए यूक्रेनी आक्रमण के बाद विकट प्रश्न खड़े हो गए हैं, कि एक तरफ तो प्रेसिडेंट ट्रंप दोनों देशों से युद्धविराम करने और शांति स्थापित करने की अपील कर रहे हैं और दूसरी तरफ यूक्रेन को रूस पर आक्रमण करने के लिए खुली छूट भी प्रदान कर रहे हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर एक अत्यंत विवादित बयान दिया। प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि शायद यही बेहतर होगा कि दोनों देशों को कुछ वक्त तक और युद्धरत रहने दिया जाए। इसी मध्य जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में मुलाकात की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिकन प्रेसिडेंट से रूस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की अपील की। व्हाइट हाउस में फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात करते हुए प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन और रूस के मध्य गहरी नफरत और प्रतिशोध की भावना विद्यमान है। ऐसे हालात में दोनों देशों से युद्ध विराम की उम्मीद रखना बहुत मुश्किल है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक टिप्पणी

ट्रंप ने कहा कि अच्छा ही है कि दोनों देश लगातार युद्धरत बने रहें, जैसे खेलों में रेफरी थोड़ी देर के लिए खिलाड़ी को आपस में भिड़ने देते हैं, ठीक वैसे ही दोनों देशों को देर तक लड़ने देना ही उचित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट ट्रंप की यह कूटनीतिक टिप्पणी, प्रेसीडेंशियलन इलेक्शन के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे में बुनियादी बदलाव है, जिसके तहत उन्होंने कहा था कि यदि वह अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाएंगे तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को अति शीघ्र समाप्त करा देंगे। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने आग्रह किया कि अमेरिका को युद्ध खत्म करने में अपनी निर्णायक भूमिका का निर्वाह करना चाहिए और रूस पर अत्यंत कड़ा कूटनीतिक दबाव कायम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इस स्थिति में है और वह भी यह चाहते हैं कि अमेरिका को रूस पर और अधिक कूटनीतिक दबाव डालना चाहिए। उल्लेखनीय है कि समस्त यूरोप भी यकीनन रूस-यूक्रेन युद्ध का समापन चाहता है। संपूर्ण यूरोप की अर्थव्यवस्था डगमगा चुकी है।

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस ही रहा, जहां से यूरोप के लिए ऊर्जा की सप्लाई एकदम बंद हो गई है। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या यूक्रेन द्वारा आक्रमण करने के लिए अमेरिका सहित नाटो देशों ने सैटेलाइट्स द्वारा यूक्रेन को मदद प्रदान की है। अमेरिकन प्रशासन ने कुछ दिनों के लिए यूक्रेन को अपने सैटेलाइट्स से मदद करना बंद कर दिया था। लेकिन मार्च 2025 में अमेरिका ने फिर से यूक्रेन को इन आक्रमणों में मदद देना प्रारंभ कर दिया था। हाल ही में रूस ने अपने बमवर्षक विमानों को बेलाया से ओलेन्या हवाई एयरबेस पर स्थानांतरित किया था। बमवर्षक विमानों के इस स्थानांतरण को सैटेलाइट तस्वीरों में देखा गया था। यूक्रेन के ड्रोन विमानों द्वारा अंजाम दिया गया भीषण आक्रमण इन्हीं एयरबेसों पर किया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन देशों को यूक्रेन द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के विषय में यदि जानकारी नहीं थी, तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में इस तथ्य को यह सबसे बड़ा आश्चर्य माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में यूक्रेन द्वारा रूस के कुसर्क इलाके में अचानक ही आक्रमण कर दिया गया था। इस विस्मयकारी आक्रमण ने रूस को हिला कर रख दिया। इस भीषण आक्रमण की जानकारी भी अमेरिका को पहले से नहीं थी और यह यूक्रेनी आक्रमण बेहद कामयाब साबित हुआ। इस आक्रमण में यूक्रेन द्वारा रूस की जमीन के बड़े इलाके पर अपना आधिपत्य स्थापित किया गया।

कूटनीति की कठिन परीक्षा से गुजर रहा भारत

इस दफा भी यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दीर्घ काल तक रूस के अंदरूनी इलाकों में काम किया और स्पाइडर वेब नामक ऑपरेशन को अत्यंत कामयाबी के साथ अंजाम दिया। नए आर्थिक प्रतिबंधों पर जब ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल तुरंत कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है। लेकिन ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे और युद्ध विराम नहीं किया गया तो अमेरिका दोनों राष्ट्रों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। वस्तुस्थिति यह है कि भारत के रूस के साथ और नाटो देशों के साथ भी मैत्रीपूर्ण संबंध कायम रहे हैं। सर्वविदित है कि युद्ध सिर्फ यूक्रेन और रूस के मध्य नहीं लड़ा जा रहा है, वरन् युद्ध नाटो सैन्य संगठन और रूस के मध्य लड़ा जा रहा है। यूक्रेन की बेहद बहादुर सेना नाटो सैन्य संगठन द्वारा प्रदत्त आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के अभाव में रूस के विरुद्ध युद्ध को इतने लंबे दौर तक कदापि नहीं लड़ सकती थी। निरंतर तीव्र होते हुए रूस-यूक्रेन सैन्य संघर्ष के दौर में भारत वस्तुतः विश्व पटल पर कूटनीति की बड़ी कठिन परीक्षा से गुजर रहा है। भारत के साथ ऐतिहासिक तौर पर गहन रणनीतिक संबंध रखने वाला रूस चाहता है कि युद्ध में भारत खुलकर रूस का समर्थन करे। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस ने भारत का एक तरफ समर्थन नहीं किया, जैसा कि सदैव ही करता रहा है।

दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता दिख रहा विश्व

इस दफा बहुत ही संतुलित कूटनीति अख्तियार करते हुए रूस ने भारत को अपना रणनीतिक मित्र निरुपित किया और पाकिस्तान को अपना राजनीतिक मित्र करार दिया। नए शीत युद्ध के दौर में जबकि विश्व दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता जा रहा है, एक तरफ अमेरिका और नाटो देश हैं और दूसरी तरफ चीन, रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया आदि देश हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास को जारी रखा है। दोनों ही देश यूक्रेन और रूस भारत के निकट मित्रों में रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की विनाशकारी तीव्रता तृतीय विश्वयुद्ध के कगार पर लाकर पटक सकती है।

विश्व पटल पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता भारत फिर से एक बार तृतीय विश्व युद्ध के खतरे को समाप्त करने के लिए अवश्य ही गहन गंभीर कूटनीतिक प्रयास करेगा, जैसा कि ऐतिहासिक प्रयास भारत द्वारा तृतीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए सन् 1956 में स्वेज कैनाल संकट और सन् 1962 में क्यूबा संकट के दौर में किया गया था।

अमेरिका के भरोसे को कमजोर करते ट्रंप

असमंजस
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि वे रूस-यूक्रेन तथा इजरायल एवं हमास के बीच चल रहे युद्धों को समाप्त कर शांति स्थापित कर देंगे, परंतु कोई परिणाम नहीं दे पाए। इसके उलट हाल ही में यूक्रेन ने बड़ा हमला करके रूस के साइबेरिया में स्थित परमाणु बमवर्षक विमानों को ध्वस्त करके बड़ी शिकस्त दे दी है। ड्रोन से बेलाया वायुसेना अड्डे पर हमला करके रूसी वायुसेना के 40 विमानों को अग्नि में होम कर दिया। इस हमले के बाद यूक्रेन ने रूस को फिर निशाना बनाया। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले क्रेच पुल को विस्फोटक से उड़ा दिया। इन दो बड़े आक्रमणों से तय होता है कि यूक्रेन फिलहाल अमेरिका के दबाव में नहीं है। अमेरिका के पास ऐसा कोई कूटनीतिक इलाज भी नहीं दिखता है कि वह यूक्रेन और रूस को समझौते के लिए राजी कर पाए, क्योंकि रूस ने भी यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। आशंका तो अब यह बढ़ गई है कि परमाणु हथियार सक्षम रूस कहीं यूक्रेन पर परमाणु हमला न कर दे ? अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए।

अप्रासंगिक व विवादित निर्णय

अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-थलग दिखाई दे सकता है। यह संभावना ट्रंप के चुनावी अभियान में 2100 करोड़ रुपये का चंदा देने व ट्रंप का खुला समर्थन करने वाले कारोबारी एलन मस्क व ट्रंप की दोस्ती टूटने से भी बड़ी है। एक समय के जिगरी दोस्त जानी दुश्मन बनते दिखाई दे रहे हैं। एलन मस्क बार-बार ट्रंप द्वारा लागू किए विधेयक की आलोचना कर रहे थे। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी कि मस्क मुझे निराश कर रहे हैं। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। ट्रंप ने कटाक्ष किया कि मस्क को ट्रंप डेरेंजमेंट सिंड्रोम यानी ट्रंप अव्यवस्था दोष हो गया है।

नई नीतियों से अव्यवस्था फैली

मसलन ट्रंप जिस तरह से टैरिफ से लेकर नई-नई नीतियां बदल रहे हैं, उससे अव्यवस्था फैल रही है, जो मस्क को पसंद नहीं है। ट्रंप के इस कटाक्ष के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क भी कहां चूकने वाले थे, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यदि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। गोया ट्रंप ने उनके साथ बेवफाई की है। ट्रंप की यह बेवफाई केवल मस्क के साथ अब नहीं है, बल्कि अनेक उन यूरोपीय देशों के साथ भी दिखाई दे रही है, जो अमेरिका या ट्रंप की प्रत्येक कूटनीतिक

रणनीति में भागीदार रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से चल रहा युद्ध न केवल यूरोप में बल्कि दुनिया में परमाणु हथियारों की महत्ता से जुड़ा परिदृश्य बदल रहा है। इस परिदृश्य को भी ट्रंप द्वारा दिया यह बयान कि 'यूरोपीय देशों के नाटो सदस्य यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के बराबर जिम्मेदारी नहीं झेल रहे हैं। इस कारण इस गठबंधन की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे हैं।' दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत रूस की सेनाएं मध्य और पूर्वी यूरोप में तैनात थीं। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक और भू-राजनीतिक तनाव का दौर था। हालांकि दूसरे विश्वयुद्ध में ये दोनों देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शमिल नहीं थे, लेकिन एक-दूसरे के विरुद्ध अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे थे। अमेरिकी पूंजीवादी विचारों का पोशक रहा, जबकि सोवियत संघ साम्यवादी विचारों का अनुयायी रहा। यही वैचारिक संघर्ष शीतयुद्ध कहलाता है। कालांतर में इन देशों की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत ने पूरी दुनिया को दो ध्रुवीय व्यवस्था में बदलने का काम किया। किंतु 26 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ के विघटन के बाद 15 नए देश अस्तित्व में आए, इन्हीं में रूस और यूक्रेन शामिल हैं। ट्रंप द्वारा नाटो गठबंधन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायताएं भी स्थगित कर दी गईं।

नतीजतन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों को जवाबी हमला करने का मौका मिल गया। मैक्रों ने यूरोपीय मित्र देशों के समक्ष फ्रांस के परमाणु भंडारों को सुरक्षा देने का प्रस्ताव रख दिया। फ्रांस का यह प्रस्ताव विश्व-व्यवस्था में परमाणु सशस्त्रीकरण की नई इबारत लिखना है। इसके बाद ब्रिटेन और इटली ने भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति के न्यायोचित समाधान खोजने की मांग उठा दी। तत्पश्चात यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेरलेयेन ने 800 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक की रक्षा खर्च की योजना पेश कर दी। संघ के 26 सदस्य देशों ने इसे हाथों हाथ समर्थन भी दे दिया। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति में, क्योंकि यूक्रेन रूस के युद्ध के खिलाफ जो दंभ तीन साल से भरे हुए है, उसके पीछे यूरोपीय संघ और नाटो देशों की ही आर्थिक और सामरिक शक्तियां काम कर रही हैं। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने संयुक्त हथियार खरीद के लिए 150 अरब यूरो का कोष स्थापित करने की सहमति जता दी है। नाटो और यूरोपीय संघ का यह कूटनीतिक उत्तर अमेरिका की नाटो से संभावित निकासी या उसकी धनराशि कम करने के परिप्रेक्ष्य में है। दरअसल ये देश परमाणु शक्ति संपन्न देश होने के कारण रूस को एक बड़ा खतरा मानकर चल रहे हैं और यूक्रेन के पीछे खड़े होकर रूस की बर्बादी देखने के इच्छुक हैं। अतएव ट्रंप की समझौते से जुड़ी रणनीति के विरुद्ध अभी यह टकराव बना रहेगा।

युद्ध समाप्ति के अभी आसार नहीं

यह युद्ध इसलिए लंबा चलने वाला है, क्योंकि हाल ही में तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें केवल एक ही बात मंजूर है और वह यूक्रेन का समर्पण! रूस यह मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसने यूक्रेन के 5 प्रांतों के 19 फीसदी भू-भाग पर कब्जा कर लिया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि देर-सबेर वह यूक्रेन को पराजित कर देगा। अमेरिका के पास इस स्थिति में युद्ध खत्म करने की कोई नीति या कूटनीति नहीं है।

ट्रंप जिस तरह की दादागिरी के आचरण और एकतरफा निर्णय लेने के मूड में हैं, उस स्थिति में युद्धविराम तब तक संभव नहीं है, जब तक नाटो और यूरोपीय संघ के देश ट्रंप की बात मानने को सहमत न हो जाएं ?

भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

रणनीति
राजेश जैन
स्वतंत्र पत्रकार व विश्लेषक

रूस के अंदर घुस कर यूक्रेन के मारक हमले के बाद से दोनों मुल्कों के बीच जारी जंग के जल्दी खत्म होने के आसार क्षीण हो गए हैं। यूक्रेन ने योजनाबद्ध तरीके से जिस तरह गाइडेड ड्रोन अटैक किया है और रूसी सैन्य ठिकानों को तबाह किया है, उसके बाद रूस के जवाबी हमले के खतरे बढ़ गए हैं। रूस ने यूक्रेन से बदला लिया भी है, लेकिन यह सिलसिला अभी और बढ़ेगा। तुर्किये में प्रस्तावित वार्ता से ठीक एक दिन पहले यूक्रेन की सैन्य कार्रवाई रूस की सोच से परे थी, यूक्रेन के इस कृत्य ने इस युद्ध को और उलझा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीति रूस व यूक्रेन मामले में पूरी तरह फेल हुई है और ट्रंप के दावे हवाहवाई साबित हुए हैं। यूरोप अब यूक्रेन के कंधों पर रूस से अदावत निभा रहा है, इसलिए हाल फिलहाल इस युद्ध के और भड़कने की संभावना बढ़ गई है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं कि आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

ड्रोन वार ने बदले समीकरण

रूस के तेज़ होते हमलों के बीच यूक्रेन ने बीते 1 जून को रूस के ख़िलाफ़ 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' लॉन्च किया। इसे रूस पर यूक्रेन का अब तक का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। दावा है कि इस ऑपरेशन की तैयारी यूक्रेन बीते 18 महीनों से कर रहा था। लीक जानकारी से पता चलता है कि कई छोटे ड्रोन्स को ख़ुफ़िया तरीके से रूस में पहुंचाया गया, फिर हज़ारों मील दूर अलग-अलग चार जगहों पर ले जाकर नज़दीकी सैन्य हवाई अड्डों पर रिमोटली लॉन्च किया गया। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के 41 बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया। विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है, यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है, लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। दूसरी ओर यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है, लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभाविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

लंबी है युद्ध के हताहतों की सूची

रूस ने 6 जून की रात को यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमला

किया है, जिसमें राजधानी कीव के साथ ही देश के प्रमुख शहरों को निशाना बनाया है। एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का वादा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है, तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं। हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है, लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना और नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है। रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला, रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19% हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12% इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25% जमीन रूस के अधीन आ जाए, जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं, कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था।

फिलहाल शांति की आस नहीं

इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा?

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा- आतंकवाद और एआई पर मिलकर करना होगा काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की बैठक में आयोजित की गई थी जिसमें भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया। फोरम के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में इस आयोजन की सफलता और सार्थकता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले देश की संसद, सरकार और जनता के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान ब्रिक्स देशों के संसदों के बीच सहयोग बढ़ाने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार उपयोग, और आर्थिक मामलों पर मिलकर काम करने के मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की बैठक में आर्थिक समावेशन, व्यापार विस्तार और आपसी आर्थिक सहयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई

एआई के इस्तेमाल में जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी

ब्रिक्स देश आपसी व्यापार विस्तार और आर्थिक सहयोग करेंगे

ब्रिक्स संसदीय फोरम का हुआ समापन

लोकसभा अध्यक्ष ने बताया कि सम्मेलन में यह भी स्वीकार किया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग आधुनिक समय की जरूरत है, लेकिन इसके इस्तेमाल में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। ब्रिक्स देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने की सहमति दी। इस बीच आर्थिक समावेशन, व्यापार विस्तार और आपसी आर्थिक सहयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। भारत ने सम्मेलन में विधि के शासन, वैश्विक सहयोग और संवाद को हमेशा प्राथमिकता देने की बात दोहराई।

अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा

लोकसभा अध्यक्ष ने जानकारी दी कि अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा और भारत उसकी सफल और सार्थक मेजबानी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले सम्मेलन का एजेंडा तैयार करेगा जिसमें एआई, व्यापार, समाज और आर्थिक मुद्दों पर गहन संवाद शामिल होगा। उन्होंने सभी ब्रिक्स देशों की संसदों के स्पीकर्स और प्रेसिडेंट्स को शुभकामनाएं दीं और कहा कि संसदीय संवाद, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान रक्षा के जरिए हम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में चीन सहित कई मुस्लिम देश भी भारत के समर्थन में

पाक को बड़ा झटका

ब्रिक्स संसदीय मंच ने भारत के जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। इसे भारत, ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, रूस, ईरान, यूएई, इथियोपिया, इंडोनेशिया और इजिप्ट समेत 10 सदस्यीय देशों ने स्वीकार किया है। पाकिस्तान के लिए यह बड़ा झटका है, क्योंकि उससे सबसे करीबी दोस्त चीन ही नहीं कई मुसलमान देशों ने भी अपनी एकजुटता का समर्थन भारत को दिया है।

ओम बिरला ने उठाया भारत का पक्ष, सबने दी सहमति

बिरला ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है, जिसे केवल आपसी सहयोग और साझा इच्छाशक्ति से ही खत्म किया जा सकता है। उन्होंने चार ठोस कदमों की वकालत की आतंकी संगठनों की आर्थिक मदद पर रोक, इंटेलिजेंस साझा करने की प्रक्रिया में तेजी, तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के उपाय, जांच और न्याय प्रक्रिया में अंतरराष्ट्रीय सहयोग। बैठक में मौजूद सभी देशों ने उनके विचारों का समर्थन करते हुए इन्हें संयुक्त घोषणा पत्र में शामिल किया।

खबर संक्षेप

मुकेश ने आईसीटी को दिए 151 करोड़ रुपए दान

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) मुंबई को 151 करोड़ रुपए दान देने की घोषणा की है। उन्होंने इसी संस्थान से पढ़ाई की थी। अंबानी ने प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी 'डिवाइन साइंटिस्ट' के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान को दान देने की घोषणा की।

भाजपा से पुरकायस्थ जाएंगे राज्यसभा

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी की असम इकाई के राज्य सचिव कणाद पुरकायस्थ राज्य से राज्यसभा चुनाव के लिए उसके उम्मीदवार होंगे। केंद्रीय चुनाव समिति ने उनकी उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी। बराक घाटी से पार्टी के नेता पुरकायस्थ वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कबीर पुरकायस्थ के पुत्र हैं।

ईडी ने एक्टर डिनो मोरिया को तलब किया

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मीठी नदी से गाद निकाले जाने से जुड़े घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में एक्टर डिनो मोरिया और उनके भाई तथा बीएमसी के कुछ अधिकारियों समेत 8 लोगों को अगले सप्ताह पूछताछ के लिए बुलाया है। ये नोटिस मुंबई और कोच्चि में इनसे जुड़े 15 से अधिक परिसरों की तलाशी के बाद जारी किए गए हैं।

सिक्किम में भारी बारिश 76 जवान एयरलिफ्ट किए

चटेन। उत्तर सिक्किम के चटेन क्षेत्र में भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं के बाद हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। ऐसे में भारतीय सेना ने शनिवार को राहत और बचाव कार्यों के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हवाई मार्ग से आवश्यक सामग्री पहुंचाई और 76 जवानों को सुरक्षित वापस लाया।

राहुल ने शनिवार को एक लेख के जरिये केंद्रीय चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया

सांसद राहुल गांधी बोले- महाराष्ट्र चुनाव में हुई धांधली, भाजपा ने किया पलटवार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को एक लेख के जरिये केंद्रीय चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली हुई, इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कहा कि चुनाव आयोग तो बहाना है। राहुल को खुद अपने आप को हार से बचाना है। इसलिए संवैधानिक संस्थाओं पर निशाना है। राहुल गांधी एक हकदार वंशवादी हैं। वह सोचते हैं कि उनकी पारिवारिक संस्थाएं लोकतांत्रिक संस्थाओं से ऊपर हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी जानते हैं कि वह आने वाला चुनाव भी हार जाएंगे, इसलिए वह पहले से ही बहाना तैयार कर रहे हैं। शैतान धर्म का पाठ पढ़ा रहा है।

प्रधान ने राहुल गांधी को पूर्व निर्धारित स्क्रिप्ट बताया

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी के महाराष्ट्र में चुनाव में धांधली के दावों को एक पूर्व निर्धारित स्क्रिप्ट बताया। प्रधान ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी की पोस्ट एक पूर्वानुमानित स्क्रिप्ट से ज़्यादा कुछ नहीं है- चुनाव हारना, संस्थाओं को बदनाम करना, षड्यंत्र रचना और खुद को एक काल्पनिक व्यवस्था का शिकार बताना। लेकिन भारत का लोकतंत्र एक वंशवादी की असुरक्षा की भावना से कहीं ज़्यादा मज़बूत है, जो बार-बार चुनावी फ़ैसलों को स्वीकार करने से इनकार करता है। अगर राहुल गांधी को किसी धांधली के बारे में चिंतित होना चाहिए, तो वह ऐसी धांधली है जिसमें उनकी अपनी पार्टी दशकों से आपातकाल से लेकर विपक्षी सरकारों को बर्खास्त करने के लिए 90 से ज़्यादा बार अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करने तक इसमें माहिर रही है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लेकिन भारत का लोकतंत्र एक वंशवादी की असुरक्षा की भावना से कहीं ज़्यादा मज़बूत है, जो बार-बार चुनावी फ़ैसलों को स्वीकार करने से इनकार करता है।

राहुल ने फिर उठाए सवाल, लगाए आरोप

राहुल का दावा, भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और नतीजों को पटरी से उतारने के लिए एक विस्तृत पाँच-चरणीय प्रक्रिया अपनाई

राहुल ने बिहार चुनाव से पहले मानी हारः फडनवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नवंबर 2024 में होने वाले महाराष्ट्र चुनावों में 'मैच फिक्सिंग' के राहुल गांधी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणी का मतलब है कि उन्होंने बिहार में आगामी चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। फडणवीस ने यह भी कहा कि राहुल की पार्टी तभी चुनाव जीतेगी जब वह मैदान में उतरेंगे और 'तथ्यों को समझेंगे'।

इस्तीफा दें राहुलः डिप्टी सीएम चौधरी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वाभाविक है, जो व्यक्ति हारता है वह इसी तरह की बात करता है। यदि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं है तो वे इस्तीफा दे दे और इस व्यवस्था से ही बाहर हो जाए। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इसका मतलब है कि वे हार मान चुके हैं। हार मानने वाले लोग इसी तरह की बातें करते हैं। राहुल गांधी अपनी हार देखते हुए ऐसे बयान दे रहे हैं। अब बहुत लोग उनकी बातों पर विश्वास नहीं करते हैं।

महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गईः राहुल गांधी

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए पर तीखा हमला किया और कहा कि राज्य में भारी जीत दर्ज करने के लिए 'मैच फिक्सिंग' की गई है। राहुल ने दावा किया कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और नतीजों को पटरी से उतारने के लिए एक विस्तृत पाँच-चरणीय प्रक्रिया अपनाई। अपने लेख में उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2023 में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संशोधित अधिनियम लाया है, ताकि केंद्र को भारी लाभ मिल सके। उन्होंने 'अंपायरों की नियुक्ति के लिए पैनल में हेराफेरी' नामक लेख में दावा किया कि नए कानून के तहत चयन समिति केंद्र की ओर बहुत अधिक झुकी हुई है। संशोधित कानून के तहत चयन समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और विपक्ष के नेता/लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता शामिल होते हैं। चयन समिति, इसके बाद, राष्ट्रपति को मुख्य चुनाव आयोग और/या चुनाव आयुक्तों के नाम की सिफारिश करती है। इस बात पर आश्चर्य जताते हुए कि चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश के बजाय एक कैबिनेट मंत्री को क्यों रखा गया, राहुल गांधी ने इंडियन एक्सप्रेस पर लिखाः खुद से पूछें, कोई व्यक्ति एक महत्वपूर्ण संस्थान में एक तटस्थ मध्यस्थ को हटाने के लिए अपने रास्ते से क्यों हटेगा?

निर्वाचन आयोग की तीखी प्रतिक्रिया

निराधार आरोप कानून का अपमान खुद की ही छवि को धूमिल कर रहे

एजेंसी, नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। निर्वाचन आयोग ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया और इसे कानून के शासन का अपमान बताया। आयोग ने कहा कि किसी की ओर से फैलाई जा रही कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि अपने ही राजनीतिक दल की ओर से नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की छवि भी धूमिल करती है। यह लाखों चुनाव कर्मचारियों का मनोबल गिराती है, जो चुनाव के दौरान अथक और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। मतदाताओं की ओर से मनमाफिक फैसला न मिलने के बाद यह कहकर चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है कि यह समझौतावादी है। भारत में सभी चुनाव कानून के अनुसार होते हैं। भारत में जिस पैमाने और सटीकता से चुनाव होते हैं, उसकी दुनिया भर में प्रशंसा की जाती है। पूरा देश जानता है कि मतदाता सूची तैयार करने, मतदान और मतगणना सहित प्रत्येक चुनाव प्रक्रिया सरकारी कर्मचारियों की ओर से की जाती है और वह भी मतदान केंद्र से लेकर निर्वाचन क्षेत्र स्तर तक राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों की ओर से औपचारिक रूप से नियुक्त अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में।

तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग के जवाब

1. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के अनुसार, लगभग 116 लाख मतदाताओं ने अंतिम दो घंटों में मतदान किया होगा। इसलिए दो घंटों में मतदाताओं की ओर से 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से बहुत कम है।
2. कांग्रेस के उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर और चुनाव पर्यवेक्षकों के सामने जांच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाया।
3. मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित सभी राष्ट्रीय या राज्य राजनीतिक दलों को सौंप दी जाती है।
4. मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद चुनाव से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की कोई शिकायत नहीं की।
5. सभी राजनीतिक दलों की ओर से 1,03,727 बूथ स्तर के एजेंट भी नियुक्त किए गए, जिनमें 27,099 कांग्रेस की ओर से नियुक्त किए गए।
6. चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को दिए अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर पुलिस का आरोप पत्र तय

पिता-पुत्र को घर से घसीटकर बाहर निकाला और हत्या की

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान हरगोबिंदो दास और उनके बेटे चंदन को पहले उनके घर से खींचकर बाहर निकाला गया और फिर उनके परिवार के सामने कुल्हाड़ी से दोनों की हत्या कर दी गई। पश्चिम बंगाल पुलिस ने अपने 900 पृष्ठ के आरोप पत्र में यह बात कही है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जंगीपुर अदालत में दायर किए गए आरोप पत्र में तेरह लोगों के नाम हैं।

आरोपी भागने में कामयाब रहे

आरोपपत्र में यह भी विस्तार से बताया गया है कि हत्या के बाद आरोपी व्यक्ति कैसे भागने में कामयाब रहे। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। मुर्शिदाबाद में आठ से 12 अप्रैल तक हुए सांप्रदायिक दंगे में संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचा, जिसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का आदेश दिया था।

ईद की नमाज

नई दिल्ली। देशभर में ईद-उल-अजहा त्योहार खुशी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जामा मस्जिद में मुस्लिम समाज के लोगों ने 'नमाज' अदा की। ईद-उल-अजहा को ईद उल जुहा, ईद उल बकरा या बकरीद के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार त्याग और इंसानियत का प्रतीक माना जाता है। इस्लाम धर्म में इसे 'कुर्बानी का त्योहार' भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, हर साल ईद की तारीख चांद की स्थिति पर आधारित होती है। जुलहिज्जा की 10वीं तारीख को ईद-उल-अजहा मनाई जाती है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ का मामला

कर्नाटक हाईकोर्ट ने नौ सवालों पर सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को नौ महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ ने इस त्रासदी के मद्देनजर अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर दायर की गई रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए ये सवाल पूछे। सरकार को 10 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है। वहीं, सीएम सिद्धारमैया ने मुआवजा राशि बढ़ाकर 25 लाख देने का ऐलान किया।

10 जून तक देना होगा जवाब

कोर्ट ने पूछा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए किसने अनुमति दी थी? यह निर्णय कब और कैसे लिया गया था? क्या आयोजकों ने आवश्यक अनुमति ली थी? आयोजन स्थल के आसपास यातायात को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय किए गए? भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्या व्यवस्था की गई थी?

भारत में तेजी से बढ़ रहे स्टार्टअप रोजगार के अवसर ला रहे

भारत में स्टार्टअप की संख्या 1.76 लाख पहुंची, यूनिकॉर्न की संख्या बढ़कर 118

- यूनिकॉर्न स्टार्टअप का वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर से अधिक
- प्रति स्टार्टअप गारंटी कवर की सीमा बढ़ाकर 20 करोड़ की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में स्टार्टअप की दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश में रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स की संख्या बढ़कर 1.76 लाख हो गई है। इनमें से 118 स्टार्टअप ऐसे हैं जो यूनिकॉर्न बन चुके हैं यानी उनकी वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर या उससे ज्यादा है। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत के युवा स्टार्टअप बना रहे हैं और नौकरियों के अवसर ला रहे हैं। यह बीते 11 वर्षों में युवाओं के लिए किए गए प्रयासों का नतीजा है, जो पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ।

देशभर में 490 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए

1.6 लाख स्टार्टअप से 17.6 लाख लोगों को रोजगार

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'एक्स' पर बताया कि देश में पिछले 11 सालों में 7 नए आईआईटी, 8 नए आईआईएम और 16 नए एम्स संस्थान खोले गए हैं। साथ ही करीब 490 नए विश्वविद्यालय भी देश के कोने-कोने में स्थापित किए गए हैं ताकि उच्च शिक्षा हर युवा तक पहुंच सके। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाय) के तहत 1.6 करोड़ युवाओं को ट्रेनिंग दी गई है। वहीं 1.6 लाख स्टार्टअप ने 17.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का अवसर मिला

इसके अलावा, पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत शीर्ष 500 कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर दिए गए हैं। स्टार्टअप्स की फाइनेंसिंग को मजबूत करने के लिए, सरकार ने हाल ही में क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स (सीजीएसएस) का विस्तार किया है। इस योजना के तहत प्रति स्टार्टअप गारंटी कवर की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए कर दिया गया है। अब 10 करोड़ रुपए तक के लोन पर 85% और 10 करोड़ से अधिक पर 75% तक की गारंटी दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य भारत को इनोवेशन-आधारित आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाना है। यह योजना स्टार्टअप्स को रिसर्च, डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी में निवेश करने के लिए बेहतर फंडिंग और कम जोखिम का मौका देगी।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण स्तर बढ़ा

'खराब' श्रेणी में पहुंची एयर क्वालिटी, ग्रेप-1 के प्रतिबंध लागू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी में शनिवार को प्रदूषण का स्तर बढ़ने से हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार तीन दिन हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में रहेगी। इस दौरान दोपहर में तेज धूप के कारण कई प्रदूषण निगरानी केंद्रों के पास ओजोन का स्तर अधिक बना रहेगा। इसके मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप समिति ने एनसीआर में 27 सूत्री ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप)-ए के प्रावधानों व प्रतिबंधों को लागू कर दिया है। इसके तहत सीएक्यूएम ने संबंधित एजेंसियों को प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को जब्त करने व अधिकतम जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है। उम्र पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ भी सख्ती करने का निर्देश दिया गया है। दूसरे राज्यों में जाने वाले ट्रकों को इस्टर्न व वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से डायवर्ट करना होगा।

निर्माण व विध्वंस की गतिविधियों पर रोक

निर्माण और विध्वंस कार्यों में धूल नियंत्रण के मानकों व मलबा प्रबंधन सुनिश्चित नहीं करने पर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। सड़कों पर समय समय पर मशीन से सफाई व एंटी स्माग गन से पानी का छिड़काव करना होगा। राज्य के वेब पोर्टल पर गैर पंजीकृत 500 वर्ग मीटर और उससे अधिक बड़े भूखंड पर निर्माण व विध्वंस की गतिविधियों पर रोक रहेगी। भीड़ वाले सड़कों व चौराहों पर यातायात सुगम रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती आवश्यक है। खुली जगह कूड़ा जलाने पर अधिकतम पर्यावरण शुल्क लगाने का निर्देश दिया गया है। होटलों, रेस्तरां और ढाबों के तंदूर में कोयला व लकड़ी के कोयले के

किसानों को सिर्फ 4% की दर से मिलेगा 5 लाख रु. तक का लोन

- ❑ केसीसी योजना के लिए लाभ लेना बहुत आसान, मिल रहे बड़े फायदे ❑ किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो या बटाइदार, कर सकते हैं आवेदन
- ❑ केंद सरकार ने लोन सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक किया ❑ खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए ले सकते हैं किफायती लोन
- ❑ किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी ❑ इसका मकसद किसानों को खेती की जरूरतों के लिए सस्ता लोन उपलब्ध कराना

जानकारी

बिजनेस डेस्क

किसानों के लिए खेती को आसान और किफायती बनाने के मकसद से शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना अब और भी फायदेमंद हो गई है। केंद्रीय बजट 2025-26 में केंद्र सरकार ने इस योजना की लोन सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था। इतना ही नहीं, इसकी ब्याज दर भी 4% सालाना है, जो किसानों के लिए बड़ा लाभ है। इसके साथ ही सरकार ने इस योजना की ब्याज सहायता (इंटरेस्ट सब्सिडी) को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे किसानों को सस्ता लोन मिलना जारी रहेगा। यह खबर उन लाखों किसानों के लिए खुशखबरी है, जो खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए किफायती लोन की तलाश में हैं। आइए, इस योजना को विस्तार से समझते हैं और जानते हैं कि इसे लेना कितना आसान है।

क्या है किसान क्रेडिट कार्ड योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी। इसका मकसद था किसानों को उनकी खेती की जरूरतों के लिए सस्ता और आसान लोन उपलब्ध कराना। इस योजना को भारत सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड ने मिलकर शुरू किया था। यह कार्ड किसानों को एक क्रेडिट लाइन देता है, जिसका इस्तेमाल वे बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण खरीदने पशुपालन और मछली पालन जैसे कामों के लिए कर सकते हैं। इस कार्ड की खासियत यह है कि यह 5 साल की वैलिडिटी के साथ आता है और समय पर लोन चुकाने पर ब्याज में छूट भी मिलती है।

क्या हैं अतिरिक्त फायदे?

किसान क्रेडिट कार्ड के साथ कई अतिरिक्त फायदे भी मिलते हैं। मसलन, अगर फसल प्राकृतिक आपदा या कीटों के कारण खराब हो जाती है, तो बीमा कवरेज मिलता है। इसके अलावा, अगर किसान अपने केसीसी खाते में पैसे जमा करता है, तो उसे बचत खाते की तरह ब्याज भी मिलता है। साथ ही, कई बैंक केसीसी के साथ रुपे डेबिट कार्ड भी देते हैं, जिससे किसान आसानी से मंडियों या इनपुट डीलरों के साथ लेन-देन कर सकते हैं।

बढ़ गई सीमा

हाल ही में सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की अधिकतम सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला 2025 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिया, जिसका मकसद किसानों को उनकी बढ़ती जरूरतों के लिए ज्यादा आर्थिक सहायता देना है। इस लोन पर सामान्य ब्याज दर 7% सालाना है, लेकिन सरकार 2% की ब्याज सहायता देती है। इसके अलावा, अगर किसान समय पर लोन चुका देते हैं तो उसे 3% की अतिरिक्त छूट मिलती है। इस तरह प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% रह जाती है। यह सुविधा खेती के साथ-साथ मछली पालन और पशुपालन करने वाले किसानों के लिए भी उपलब्ध है।

बढ़ाई गई ब्याज सहायता की डेडलाइन

केंद्र सरकार ने हाल ही में संशोधित ब्याज सहायता योजना को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। इसका मतलब है कि किसानों को अगले वित्त वर्ष तक 4% की रियायती ब्याज दर पर लोन मिलता रहेगा। यह फैसला मई 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस कदम से देश के करीब 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को फायदा होगा। यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसानों को कम लागत पर कार्यशील पूंजी मिले, ताकि वे अपनी खेती को और बेहतर कर सकें।

आसान है केसीसी बनवाना

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना बेहद आसान है। कोई भी किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो, किरायेदार किसान हो या बटाईदार, सभी इस योजना के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जमीन के डॉक्यूमेंट और फसल की जानकारी शामिल होती है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान को पीएम किसान योजना की वेबसाइट (**pmkisan.gov.in**) पर जाना होगा। वहां से केसीसी का फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। फॉर्म में जमीन और फसल की जानकारी भरकर, जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ इसे नजदीकी बैंक में जमा करना होता है।

सिक्योरिटी की जरूरत नहीं

अगर ऑनलाइन प्रक्रिया में दिक्कत हो, तो किसान अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर सीधे आवेदन कर सकता है। बैंक में एक साधारण फॉर्म भरना होता है, जिसमें जमीन के कागजात और पहचान पत्र जमा करने होते हैं। आमतौर पर, अगर सभी डॉक्यूमेंट सही हैं, तो 5 से 7 दिनों के अंदर बैंक लोन स्वीकृत कर देता है। इसके अलावा, 1.6 लाख रुपये तक के लोन के लिए कोई सिक्योरिटी देने की जरूरत नहीं होती। 3 लाख रुपये से ज्यादा के लोन के लिए जमीन या अन्य संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर रखना पड़ सकता है। साथ ही, इस कार्ड के साथ किसानों को फसल बीमा और डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

किसान क्रेडिट कार्ड एक रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट खाते की तरह काम करता है। इसका मतलब है कि किसान जरूरत के हिसाब से पैसे निकाल सकता है और चुकाने के बाद फिर से लोन ले सकता है। लोन की राशि फसल की कटाई और बिक्री की अवधि के आधार पर चुकानी होती है। किसान को साल में दो बार ब्याज और एक बार पूरी लोन राशि जमा करानी होती है। अगर समय पर भुगतान किया जाता है, तो अगले ही दिन नया लोन लिया जा सकता है। यह लचीलापन किसानों के लिए बड़ा फायदा है, क्योंकि वे अपनी जरूरतों के हिसाब से पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कौन उठा सकता है फायदा

यह योजना सिर्फ खेती करने वालों तक सीमित नहीं है। पशुपालन, मछली पालन, बागवानी या अन्य कृषि से जुड़े काम करने वाले लोग भी इसके लिए पात्र हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह भी इस कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकार का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिले, ताकि वे अपनी खेती को आधुनिक और लाभकारी बना सकें।

5 साल में 4 गुना रिटर्न, कम खर्च में तिहरा बेनिफिट दिया

5 स्टार रेटिंग, कम खर्च वाले टॉप 5 इक्विटी फंड्स में तीन एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के	इन स्कीम्स ने 5 साल में 32% तक रिटर्न देकर निवेशकों की दौलत कई गुना तक कर दी	इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम यानी फायदा

बिजनेस डेस्क। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले निवेशकों को हमेशा ऐसी स्कीम की तलाश रहती है, जिनकी रेटिंग अच्छी हो और जो कम से कम खर्च में हाई रिटर्न देने की क्षमता रखते हों। हम यहां ऐसे ही 5 इक्विटी फंड्स की जानकारी देने जा रहे हैं, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है और जो पिछले 5 साल में 32% तक एवरेज एनुअल रिटर्न दे चुके हैं। इतना ही नहीं, इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम है। यानी इनमें निवेश करने वालों को बेस्ट रेटिंग, बेस्ट रिटर्न और कम खर्च का तिहरा बेनिफिट मिल रहा है। इन टॉप 5 में से तीन स्कीम्स एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की हैं। ये सभी इक्विटी फंड, निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी पर चलते हैं। इस इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी में फंड मैनेजर लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में फंड एलोकेशन अपनी मर्जी से तय करते हैं। इससे उन्हें बाजार के रुझान के हिसाब से एलोकेशन करके बेहतर रिटर्न हासिल करने का मौका मिलता हैं. साथ ही हर मार्केट सेगमेंट में निवेश करने की वजह से पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन का लाभ भी मिलता है। जिन लोगों के पोर्टफोलियो में इक्विटी स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं रहती उन्हें आमतौर पर एक ही स्कीम में बेहतर डायवर्सिफिकेशन के लिए ऐसे ही फंड्स में निवेश करने की सलाह दी जाती है।

फ्लेक्सिबल स्ट्रैटजी वाले टॉप इक्विटी फंड

हम यहां जिन टॉप 5 इक्विटी फंड्स की चर्चा करने जा रहे हैं, वे सभी इसी फ्लेक्सिबल निवेश रणनीति को फॉलो करते हैं। दरअसल, किसी भी मार्केट सेगमेंट वाले स्टॉक्स में निवेश की छूट के कारण ही वैल्यू रिसर्च ने एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ और एचडीएफसी रिटायमेंट सेविंग्स फंड (इक्विटी प्लान) को भी फ्लेक्सी कैप फंड की लिस्ट में शामिल किया है। इस लिस्ट में पराग पारीख फ्लेक्सी कैप फंड और एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड जैसी विशाल एसेट मैनेजमेंट वाली स्कीम्स भी शामिल हैं। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 स्टार रेटिंग दी गई है।

1. एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड (डायरेक्ट प्लान) एम.एस.

- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.95%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 26.26%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.61%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 19,551 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 4,00,361 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली SIP से 5 साल में जमा हुए : 11,62,044 रुपये

2. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड (डायरेक्ट प्लान)

- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.22%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 25.41%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.73%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 75,724 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,89,267 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 11,30,375 रुपये

3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ (डायरेक्ट प्लान)

- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 30.54%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 23.09%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 178 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,79,592 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,86,103 रुपये

4. एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड इक्विटी प्लान

- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 29.55%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.52%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.74%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 6473 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,65,209 लाख रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,46,988 रुपये

5. पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

- ☞ 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 27.34%
- ☞ 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.21%
- ☞ एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- ☞ एसेट अंडर मैनेजमेंट : 103,866 करोड़ रुपये
- ☞ 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,43,054 रुपये
- ☞ 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा : 10,31,937 रुपये

एकमुश्त और एसआईपी पर शानदार रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों से साफ है कि इन पांचों म्यूचुअल फंड्स ने पिछले 5 साल के दौरान अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। फिर चाहे वो वन-टाइम इनवेस्टमेंट हो या सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये किया गया निवेश, लेकिन निवेशकों को यह याद रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

*(**डिस्क्लेमर** : इस आर्टिकल का मकसद सिर्फ जानकारी देना है. निवेश की सिफारिश करना नहीं। म्यूचुअल फंड्स का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती. निवेश के फैसले अपने निवेश सलाहकार की राय लेकर ही करें।)*

कम खर्च में बढ़िया कमाई करवाने वाले 5 स्मॉल कैप फंड कर सकते मालामाल

35% से 39% तक रहा 5 साल का एनुअल रिटर्न, निवेशकों के पैसों को साढ़े चार गुना से 5 गुना तक बढ़ाया बेहद कम एक्सपेंस रेशियो के साथ दे रहे अच्छा रिटर्न

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स पर स्टॉक मार्केट की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। यानी बाजार में गिरावट आने पर उनके ज्यादा तेजी से गिरने की आशंका रहती है, लेकिन इसके साथ ही रिकवरी होने पर उनमें मुनाफे की गुंजाइश भी अधिक होती है। यही वजह है कि स्मॉल कैप फंड्स को हाई रिस्क, हाई रिटर्न इनवेस्टमेंट माना जाता है, लेकिन हम इस रिपोर्ट में 5 ऐसे स्मॉल कैप फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें पिछले 5 साल के प्रदर्शन के आधार पर लो कॉस्ट, हाई रिटर्न यानी कम खर्च में मोटा मुनाफा देने वाला कहा जा सकता है। इन सभी फंड्स का 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 35% से 39% तक रहा है, वह भी काफी कम लागत यानी एक्सपेंस रेशियो के साथ। जिन 5 स्मॉल कैप फंड्स की जानकारी दी है, उनका 5 साल का एवरेज एनुअल रिटर्न 35.81% से लेकर 39.61% तक है। इस हाई रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 साल में 4.65 गुना से लेकर 5.3 गुना तक कर दिखाया है। इतना ही नहीं, इन स्मॉल कैप फंड्स में अगर किसी ने 5 साल तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश किया होगा, तो उसकी मौजूदा फंड वैल्यू भी 5.74 लाख रुपये से लेकर 6.57 लाख रुपये तक हो गई होगी। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 या 4 स्टार की रेटिंग दी है और इनके डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो 0.34% से 0.65% के बीच है, जिसे काफी किफायती माना जा सकता है।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 39.61%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.3 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,15,113 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.21%)

2. बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.21%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.39%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.04 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,57,581 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 32.04%)

3. एडलवाइज़ स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 36.35%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.43%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.71 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,74,266 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.32%)

4. टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.98%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.34%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.65 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,83,439 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.98%)

5. इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.81%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.62 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,16,477 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.31%)

स्मॉल कैप में निवेश से पहले रिस्क समझ लें

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स लॉन्ग टर्म में औसत से काफी बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इन पर बाजार की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। इसी वजह से इन्हें काफी अधिक जोखिम की रेटिंग दी जाती है, लेकिन जो निवेशक हाई रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो में इन्हें जगह दे सकते हैं। अगर सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये लंबी अवधि तक निवेश किया जाए, तो इस रिस्क को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में निवेशकों को कम से कम 7 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश जारी रखना चाहिए। साथ ही स्मॉल कैप में एक्सपोजर 10-15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर अगर आप लंबी अवधि के लिए निवेश की सोच रहे हैं और ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं, तो स्मॉल कैप फंड्स अच्छा रिटर्न देने का दम रखते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये फंड्स वोलैटाइल होते हैं और शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव ला सकते हैं।

रिटायरमेंट की रेस जीतनी है तो पहले से करें तैयारी

आखिरी वक्त में दौड़ने से नहीं बनेगा काम, फेल हो सकती है पूरी प्लानिंग

❑

युवाओं के लिए रिटायरमेंट का वक्त भले ही दूर हो, लेकिन जल्दी करें

❑

तैयारी जितनी जल्दी शुरू करेंगे, बाद में उतनी ही आसानी होगी

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बुढ़ापा पूरी मस्ती में कटे तो रिटायरमेंट के लिए बेहतर प्लानिंग करें। इससे आपको असानी रहेगी और समय रहते आप रिटायरमेंट के लिए अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। रिटायरमेंट की प्लानिंग ऐसी दौड़ है, जिसमें जीतना है तो शुरुआत समय रहते करनी होगी। अगर आप आखिरी वक्त में तैयारी शुरू करेंगे, तो न तो सही ढंग से पैसों का इंतजाम हो पाएगा और न ही रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी सुकून भरी बन पाएगी। कामकाजी जिंदगी के शुरुआती दौर में रिटायरमेंट भले ही काफी दूर का लक्ष्य नजर आता हो, लेकिन उसके लिए जितनी जल्दी तैयारी शुरू की जाएगी, बाद में उतनी ही आसानी होगी। इसके लिए समय रहते अमाउंट जुटा लेना जरूरी है। तभी आपका बुढ़ापा बिना किसी टेंशन के कट सकेगा। वरना बडी परेशानी हो सकती है।

जल्द शुरुआत बड़ा फायदा

जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट प्लानिंग को आखिरी समय की तैयारी के तौर पर नहीं, बल्कि आदत के रूप में अपनाना चाहिए। जो लोग शुरुआत से ही छोटी-छोटी रकम निवेश करना शुरू कर देते हैं, उन्हें कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा फायदा मिलता है। इससे समय रहते आप अच्छा खासा पैसा जुटाकर अपने जीवन का समृद्ध बना सकते हैं। उनका यह भी मानना है कि रिटायरमेंट की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है और यह एक बार का काम नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली आदत होनी चाहिए। अगर आप अपने करियर के शुरूआती सालों में ही निवेश की आदत डाल लेते हैं, तो समय के साथ आपका फंड अपने आप बढ़ता चला जाएगा।

रेगुलर इनवेस्टमेंट

रिटायरमेंट फंड के लिए हर महीने एक तय रकम अलग रखना जरूरी है। यह रकम आपकी आमदनी के अनुसार कम ज्यादा हो सकती है, लेकिन इसे एक नियम की तरह अपनाना चाहिए। इससे यह प्लानिंग सिर्फ कागज़ पर नहीं, आपकी वित्तीय आदतों में शामिल हो जाएगी। हर महीने रिटायरमेंट के लिए निवेश की गई छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकती है, बशर्ते आप रेगुलर इनवेस्टमेंट का सिलसिला बनाए रखें।

सही एसेट एलोकेशन है बेहद जरूरी

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते वक्त सिर्फ सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट पर भरोसा करना ठीक नहीं. आपको अपनी रिस्क लेने की क्षमता के हिसाब से इक्विटी और डेट जैसे विकल्पों के बीच संतुलन बना कर निवेश करना चाहिए। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) इस मामले में एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि इसमें आप अपनी रिस्क प्रोफाइल के मुताबिक इक्विटी, डेट और गवर्नमेंट बॉन्ड्स का चुनाव कर सकते हैं।

इंक्रिमेंट के साथ बढ़ाते चलें निवेश

जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़ती है, वैसे ही रिटायरमेंट के लिए की जाने वाली निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए. यह अपने फ्यूचर को और मजबूत बनाने का एक सबसे अच्छा तरीका है। हर साल अपने रिटायरमेंट पोर्टफोलियो का रिव्यू जरूर करें और जरूरत के हिसाब से उसमें बदलाव करें। यदि आप सही प्लानिंग के साथ चलेंगे तो परेशानी नहीं होंगे और अपने लिए आसानी से अच्छा फंड जुटा पाएंगे। रिटायरमेंट के बाद आपको किसी का मुंह ताकने की जरूरत नहीं होगी। अपने खर्चे खुद उठाने में सक्षम होंगे।

पूरी तैयारी के साथ होना चाहिए रिटायरमेंट

रिटायरमेंट का मकसद सिर्फ नौकरी खत्म होना नहीं है, बल्कि एक ऐसी जिंदगी जीना है, जिसमें आर्थिक चिंता न हो। अगर आप अपने करियर को बनाने में जितनी मेहनत करते हैं, उतनी ही एनर्जी अपने वित्तीय भविष्य को बनाने में भी लगाएं. रिटायरमेंट प्लानिंग को आज शुरू करना आपके कल को बेहतर बना सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि रिटायरमेंट की रेस में जीतने के लिए शुरुआत अभी से करनी होगी। आखिरी वक्त में दौड़ने से मंज़िल नहीं मिलती, बल्कि वक्त पर उठाया गया एक-एक कदम आपके आने वाले कल को बेहतर बनाने में बड़ा योगदान कर सकता है।

रिटायरमेंट के लिए निवेश विकल्प

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) : पीपीएफ एक लंबी अवधि का निवेश विकल्प है जो आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ प्रदान करता है।
-एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) : एनपीएस एक रिटायरमेंट बचत योजना है जो आपको अपने भविष्य के लिए बचत करने में मदद करती है।
-म्यूचुअल फंड : म्यूचुअल फंड एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट : फिक्स्ड डिपॉजिट एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे जमा करने का अवसर प्रदान करता है।

शेयर बाजार : शेयर बाजार एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको कंपनियों के शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

निवेश करने के लिए कुछ सुझाव

जल्दी शुरू करें: रिटायरमेंट के लिए निवेश करना जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ही अधिक समय आपके पैसे को बढ़ने के लिए मिलेगा।

नियमित निवेश करें: नियमित निवेश करने से आपको अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

विविधीकरण करें: अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करें: अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करने से आपको अपने निवेश निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय टीम, 20 से नए डब्लूटीसी चक्र की शुरुआत

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत करेगी। भारत इस सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उतरेगी जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऋषभ पंत इस सीरीज में उपकप्तान की भूमिका में होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक्स पर वीडियो शेयर किया है जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। उनके साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद हैं।

भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

20 जून से पहला मुकाबला

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरुआत भी हो जाएगी। करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

बीसीसीआई ने इंग्लैंड पहुंचने का जो वीडियो शेयर किया है उसमें खिलाड़ी एक दूसरे के साथ हंसी मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कह रहे हैं, 'रात में बंदे ने चश्मा पहना हुआ है।' वीडियो में गिल भी नजर आए। वहीं, साई सुदर्शन ने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा बनकर उत्सुक हूं।' इसमें पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। मालूम हो कि केएल राहुल, करुण नायर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड पहुंच गए थे और वे इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा ले रहे हैं।

भारत को 18 साल से जीत का इंतजार

गिल नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौती बड़ी है। गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम बदलाव के दौर से गुजरी है और अब उसे नतीजे देने होंगे। रोहित और कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की अनुपस्थिति में इंग्लैंड को उसके घर में हराना आसान नहीं रहने वाला है। इंग्लैंड में भारत के आंकड़े भी इसी बात की गवाही दे रहे हैं। दरअसल, भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या गिल-गंभीर की ये जोड़ी 18 साल का सूखा समाप्त कर पाएगी?

खबर संक्षेप

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप में खेलेगी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम इस साल चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप की तैयारियों के सिलसिले में आठ से 17 जून तक बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के खिलाफ पांच मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां से वह सीधे बेल्जियम के लिए रवाना हो गई थी। भारत यूरोप के अपने दौरे की शुरुआत एंटवर्प के हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज प्लीन में बेल्जियम के खिलाफ तीन मैचों के साथ करेगा।

प्रो लीग यूरोप चरण के पहले मैच में नीदरलैंड से हारी भारतीय हॉकी टीम

एम्सटेलवीन, (भाषा) एक गोल से बढत बनाने के बावजूद भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के पहले मैच में शनिवार को ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड के हाथों 2 . 1 से हार गई । कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दागकर भारत को बढत दिला दी थी लेकिन नीदरलैंड के लिये थीज वैन डैम ने दो फील्ड गोल (25वां और 58वां मिनट) करके भारत के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया । भुवनेश्वर में खेले गए प्रो लीग के घरेलू चरण में आठ मैचों में 15 अंक हासिल करके भारत तीसरे स्थान पर है । बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधे जगह बनाने के लिये भारतीय टीम की नजरें यूरोपीय चरण में अधिकतम अंक जुटाने पर लगी हैं लेकिन आगाज जीत के साथ नहीं हो सका ।

दिल्ली जीएम ओपन 2025: सोगरवाल ने जीएम करेन को हराया; नारायणन ने सिद्धार्थ को दी मात

नई दिल्ली। उभरते हुए शतरंज खिलाड़ी वैराज सोगरवाल ने आर्मेनिया के ग्रैंड मास्टर (जीएम) करेन एच ग्रिगोरियन को हराकर शनिवार को यहां दिल्ली इंटरनेशनल ओपन ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में उलटफेर के साथ आगाज किया। दिन का दूसरा उल्लेखनीय परिणाम 17 वर्षीय मीतांश दीक्षित और जॉर्जिया के जीएम लेवन पंत्सुलिया के बीच ड्रॉ मुकाबला रहा। शीर्ष वरीयता प्राप्त जीएम एसएल नारायणन ने सिंगापुर के साई सिद्धार्थ पर आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारत के ही जीएम दिप्तायन घोष, अभिजीत गुप्ता और अर्मेनिया के मैनुअल पेट्रोसियन अपने-अपने शुरुआती मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टेनिस : नंबर एक सिनर ने नोवाक को 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया

जोकोविच का सपना टूटा, सिनर-अल्काराज़ में होगा फ्रेंच ओपन का खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ से होगा। सिनर ने पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया हैइस तरह जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार बढ़ गया। यह सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है।

सिनर अपना चौथा जबकि अल्काराज़ अपना पांचवा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

सिनर ने कहा, 'हम अपने लिए सर्वश्रेष्ठ मौके बनाते हैं और अब मुझे यह मंच मिला है। अभी मेरे लिए इससे बड़ा कोई और मौका नहीं हो सकता।' जोकोविच पुरुषों के रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं, लेकिन वे कोर्ट फिलिप चैटियर पर सिनर के सटीक और तेज़ फोरहैंड का मुकाबला नहीं कर सके। सिनर ने कहा, 'मैंने मानसिक रूप से वहां बने रहने की कोशिश की और प्रत्येक अंक हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी।'

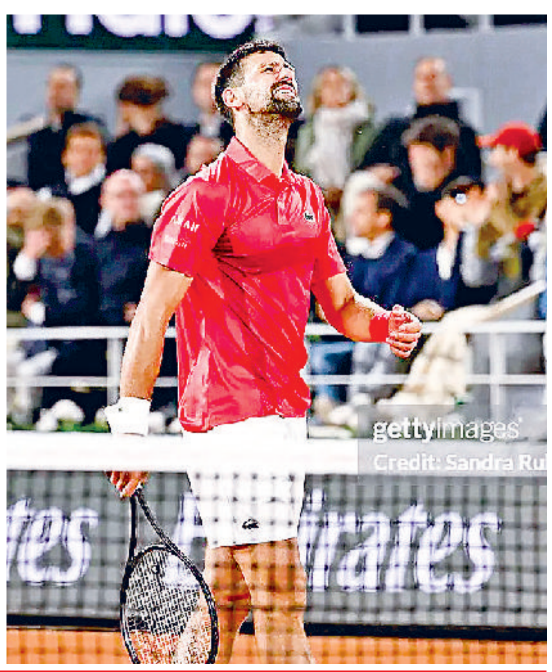

फिर टूटा जोकोविच का सपना

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन में चौथा और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। बता दें कि सबसे ज्यादा सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब (महिला और पुरुष) जीतने के मामले में जोकोविच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मार्गरेट कोर्ट की बराबरी पर हैं. दोनों ने सबसे ज्यादा संयुक्त रूप से 24 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स टाइटल जीते हैं। हालांकि मार्गरेट ने इनमें से 13 खिताब ओपन ऐरा से पहले जीते थे। टेनिस में ओपन ऐरा की शुरुआत साल 1968 में हुई थी। जोकोविच का सपना फ्रेंच ओपन जीतकर मार्गरेट कोर्ट से आगे निकलना था, लेकिन ये सपना उनका फिर टूट चुका है।

जोकोविच का अंतिम फ्रेंच ओपन मैच

जोकोविच हारने के बाद इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि वह दोबारा फ्रेंच ओपन में खेल पाएंगे या नहीं। जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मेरा मतलब है कि यह मेरा यहां खेला गया आखिरी मैच हो सकता था, इसलिए मुझे नहीं पता। इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक था। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था।' जोकोविच ने मैच हारने के बाद अपना हाथ चूमा, फिर उसे मिट्टी पर रख दिया, मानो फ्रेंच ओपन को अलविदा कह रहे हों, जहां वह तीन बार चैंपियन रहे थे। उन्होंने अपना बैग ऊपर खींचा, स्टैंड की तरफ देखा और फिर बाहर चले गए।

सिनर ने रचा इतिहास

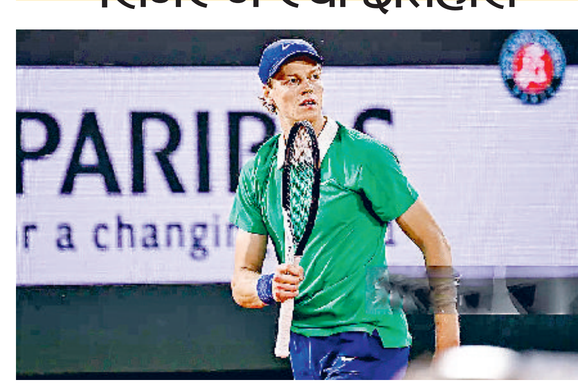

सिनर 1968 में शुरू हुए ओपन युग में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1976 के चैंपियन एड्रियानो पनाटा फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले अल्काराज ने जब लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ 4-6 7-6(3) 6-0 2-0 से बढ़त बनाई थी, तब इटली का आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पैर की चोट के कारण मैच से हट गया था।

कोको गाफ ने सबालेंका को हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता

पेरिस(एपी)। अमेरिका की कोको गाफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका को 6 . 7, 6 . 2, 6 . 4 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया । अमेरिका की 21 साल की दूसरी रैंकिंग वाली गाफ इससे पहले 2023 अमेरिकी ओपन जीत चुकी हैंर। रोलां गैरो पर 2013 के बाद पहली बार दुनिया की पहले और दूसरे नंबर की खिलाड़ी के बीच फाइनल खेला गया । बारह साल पहले सेरेना विलियम्स ने मारिया शारापोवा को हराकर खिताब जीता था।

पिछले 30 साल में यह दूसरी बार है जब खिताबी भिड़ंत शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच हुई है । गाफ के दूसरे मैच पॉइंट पर सबालेंका के बैकहैंड शॉट के वाइड होने के साथ खिताब अपने नाम किया। वह जीत दर्ज करने के बाद पीठ के बल लेट गयी और अपने चेहरे को दोनों हाथों से ढक लिया। उन्होंने फिर अपने सिर को कोर्ट पर टिकाया और नेट पर सबालेंका का अभिवादन करने के बाद दर्शक दीर्घा में मौजूद फिल्म निर्देशक स्पाइक ली को गले लगाया और अपने साथियों के साथ जश्न मनाया। गाफ तीसरे सेट में अहम मौके पर अपने खेल का स्तर ऊंचा करने में सफल रही। उन्होंने इस सेट के तीसरे गेम में शानदार रैली जीत कर बेलारूस की सबालेंका पर दबाव बनाये रखा। उनके ड्रॉप शॉट और रिटर्न को संभालने में सबालेंका लगातार संघर्ष करते दिखी।

- 12 साल में पहली बार दुनिया की नंबर-1 और नंबर-2 खिलाड़ी फाइनल में भिड़ी
- 30 साल में यह दूसरी बार है जब खिताबी भिड़ंत शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच हुई

भारत को छह स्वर्ण, ज्योति ने बाधा दौड़ में मारी बाजी

ताइपे सिटी। याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन में शनिवार को महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही और भारत के छह एथलीटों को स्वर्ण पदक मिला। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी याराजी ने 12.99 सेकंड का समय निकाला। जापान की असुका तेराडा (13.04 सेकंड) और चिसातो कियोयामा (13.0 सेकंड) को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला। याराजी ने 29 मई को दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था जिसमें उन्होंने 12.96 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस सिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ताइवान के सियेह युआन केइ (13.72 सेकंड) को रजत और कुइ रू चेन (13.75) को कांस्य पदक मिला। भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर और अमलान बोरगोहेन) ने 38.75 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वे अपने ही 38.69 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सेकंड के 600वें हिस्से से चूक गए। वे हालांकि टोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मार्क से भी चूक गए। सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 14 देश क्वालीफाई कर चुके हैं और अब दो ही स्थान उपलब्ध हैं। महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (सुधीक्षा वदलुरी, स्नेहा सत्यनारायण, अबिनाया राजाराजन और नित्या गंधे) ने भी 44.06 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। अब्दुला अबूबाकर और पूजा ने क्रमशः पुरुषों की त्रिकूद और महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

तलवार स्विस चैलेंज में 25वें स्थान पर

ल्यूसर्न। भारत के सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार दूसरे राउंड में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया और वह यहां स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। तलवार ने अपने राउंड की शुरुआत फ्रंट नाइन से की लेकिन उनकी दोनों बर्डी बैक नाइन में आईं। उन्होंने 14वें और 17वें होल में बर्डी बनाई। पहले दो राउंड के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पार है। स्पेन के सैंटियागो टारियो (65-68), इंग्लैंड के क्रिस पैस्ले (70-63), स्वीडन के टोबियास जोनसन (65-68) और अमेरिका के मैट ओशरीन (65-68) दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त पर थे।

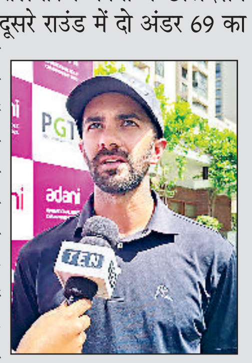

गुकेश तीसरे स्थान पर रहे, कार्लसन ने 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| स्टावेंजर

विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना से हारने के कारण नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने यहां रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता। गुकेश ने 2018 के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कारुआना के खिलाफ समय समाप्त होने के कारण एक बड़ी गलती की इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मौका उनके हाथ से निकल गया है।

गत विजेता कार्लसन ने शुक्रवार को 10वें राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाई और इस तरह से खिताब अपने नाम पक्का किया। कारुआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश 14.5 अंकों के साथ तीसरे जबकि एरिगैसी 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। महिला वर्ग मे दो बार की विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन, यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक ने अंतिम राउंड में भारत की आर वैशाली से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारने के बावजूद 16.5 अंकों के साथ खिताब जीता। भारतीय खिलाड़ियों में कोनेरू हम्पी 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही जबकि वैशाली टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने 11 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने जूनियर स्तर पर कसा शिकंजा

उम्र में धोखाधड़ी करने वाले 30 पहलवान निलंबित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ ने जूनियर स्तर पर अधिक उम्र के पहलवानों पर शिकंजा कसते हुए पिछले महीने 400 से अधिक ऐसे मामलों की जांच के बाद 30 पहलवानों को अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। डब्लूएफआई ने मुख्य रूप से दिल्ली के अखाड़ों के प्रशिक्षकों और पहलवानों की शिकायतों पर कार्रवाई की, जिसमें कहा गया था कि हरियाणा के कई पहलवानों ने फर्जी प्रमाण पत्र हासिल करके यह दिखाया है कि वे राष्ट्रीय राजधानी में पैदा हुए हैं और जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के पात्र हैं। डब्लूएफआई के एक सीनियर अधिकारी ने बताया, 'हम पहलवानों का करियर खराब नहीं करना चाहते, इसलिए हमने उन्हें जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं जैसे अंडर-18 और कैडेट स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। अगर वे 18 वर्ष से अधिक उम्र के हैं तो उन्हें सीनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उन्हें अपने मूल राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। उन्हें डब्लूएफआई से अपने कृत्य और धोखाधड़ी के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए। हम उनके मामलों पर विचार करेंगे।

यह कुछ समय से चल रहा है। पिछले 30-40 दिनों में हमने एक-एक करके लगभग 30 ऐसे पहलवानों को निलंबित किया है।' डब्लूएफआई अधिकारी ने बताया कि इनमें से अधिकतर पहलवानों ने हरियाणा में अपने प्रशिक्षकों के बहकावे में आकर दिल्ली के नरेला और रोहिणी क्षेत्र से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए रिश्वत दी।

करीब 300 मामले नरेला क्षेत्र से

अधिकारी ने कहा, 'ऐसे 436 मामलों में से करीब 300 मामले नरेला क्षेत्र से थे, जबकि बाकी मामले सुल्तानपुरी और मंगोलपुरी जैसे क्षेत्र से थे जो रोहिणी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इनमें से अधिकतर पहलवान बेगमपुरा से आयु प्रमाण पत्र हासिल कर रहे थे। वे सभी दिल्ली का प्रतिनिधित्व करना चाहते थे, क्योंकि हरियाणा की टीम में चयन होना आसान नहीं है। हमने शिकायतें मिलने के बाद एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड से संपर्क किया तथा जांच और सत्यापन के बाद यह साबित हो गया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विक्रम उर्फ रवि, पुत्र जगदीश निवासी एम-281, मंगोलपुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 212/2011, U/S 356/379/34 IPC, अन्तर्गत थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ रवि** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ रवि** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 212/2011, U/S 356/379/34 IPC, अन्तर्गत थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ रवि** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री रीतिका जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
उत्तर-पश्चिम, कोर्ट नंबर 105
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/7331/OD/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **उमेश कुमार पुत्र राम सिंह निवासी मकान नं.जी-1076, जहाँगीरपुरी, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 17/11 भा.द.सं. की धारा 279/304ए के तहत, थाना मौर्य एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **उमेश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **उमेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 17/11 भा.द.सं. की धारा 279/304ए के तहत, थाना मौर्य एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **उमेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.07.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री दीपक वत्स
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी उत्तर-पश्चिम
कमरा नं.101, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/7278/NW/2025

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस की थीम "खाद्य सुरक्षा: विज्ञान में कार्रवाई" के प्रति प्रतिबद्धता जताई

नड्डा ने मोटापा के लिए तेल की खपत में 10 फीसद की कमी लाने के पीएम मोदी के आह्वान को दोहराया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मोटापे को रोकने के लिए तेल की खपत में 10 फीसद की कमी लाने के प्रधानमंत्री के आह्वान को दोहराया है। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2025 के अवसर पर, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नड्डा ने शनिवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस), बेंगलुरु में "सुरक्षित और स्वस्थ भोजन करके मोटापा रोकें" विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि मोटापा रोकने से जुड़ी जागरूकता पहल लोगों को गलत आहार आदतों के स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में शिक्षित करने और उन्हें संतुलित, पौष्टिक भोजन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में समय पर उठाया गया एक कदम है।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पारंपरिक और पौष्टिक आहार के तौर-तरीकों के माध्यम से निवारक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप मोटापे जैसी गैर-संचारी बीमारियों की रोकथाम में खाद्य सुरक्षा और पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में कर्नाटक सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल, सांसद लहर सिंह सिरोया और पी.सी. मोहन, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

2050 तक देश की एक तिहाई आबादी मोटापे से ग्रस्त होगी

मंत्री नड्डा ने जोर देकर कहा कि विकसित भारत के लिए, स्वस्थ भारत आवश्यक है और इसे सही प्रकार के भोजन, स्वस्थ भोजन की आदतों और स्वस्थ जीवन शैली के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकता है। बढ़ते मोटापे की खतरनाक प्रवृत्ति को पहचानने के साथ, आईसीएमआर-इंडिया डायबिटीज (इंडियाब) अध्ययन का हवाला देते हुए नड्डा ने कहा, "2008 से 2020 तक, भारत के शहरी क्षेत्रों में मोटापा 39.6% बढ़ा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 23.1 फीसद बढ़ा है।" उन्होंने एक अन्य अध्ययन का भी हवाला दिया जिसमें अनुमान लगाया गया है कि 2050 तक देश की एक तिहाई आबादी मोटापे से ग्रस्त होगी।

विज्ञापनों को देख बच्चे अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों खा रहे

शहरी क्षेत्रों में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों और आहार संबंधी आदतों की चुनौती को रेखांकित करते हुए नड्डा ने जोर देकर कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामले में बच्चे सबसे अधिक असुरक्षित समूह हैं क्योंकि वे अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों और उनके विज्ञापनों की ओर आकर्षित होते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए उन्होंने छोटी उम्र में ही जागरूकता सुनिश्चित करने का आह्वान किया जिससे बेहतर प्रभाव सामने आएंगे।

देश भर के राज्य एफडीए ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया

इस कार्यक्रम में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक और भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के सचिव राजीव बहल, एफएसएसएआई की सीईओ जी. कमला वर्धन राव, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार, सीबीएसई के अध्यक्ष राहुल सिंह, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, कर्नाटक, झारखंड, मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ राज्यों के स्वास्थ्य सचिव, सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्त, वैज्ञानिक समिति और वैज्ञानिक पैनल के सदस्य, एफएसएसएआई, देश भर के खाद्य व्यवसाय संचालक, उद्योग संगठन, विकास भागीदार, एफएसएसएआई के कर्मचारी और देश भर के राज्य एफडीए ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

भारत-मध्य एशिया वार्ता की चौथी बैठक में लिया निर्णय

भारत सहित पांच देश मिलकर करेंगे महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों की खोज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और पांच मध्य एशियाई देशों- कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच नई दिल्ली में बीते शुक्रवार को भारत-मध्य एशिया वार्ता की चौथी बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में चीन द्वारा दुर्लभ पृथ्वी खनिज और मैग्नेट के निर्यात पर रोक के बाद, इन छह देशों ने मिलकर दुर्लभ और महत्वपूर्ण खनिजों की संयुक्त खोज में गहरी रुचि दिखाई है। बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी शामिल हुए थे। बैठक में सितंबर 2024 में आयोजित पहले इंडिया-सेंट्रल एशिया रेयर अर्थ फोरम की सफलताओं को सराहा गया और इस तरह की दूसरी बैठक जल्द आयोजित करने का आह्वान किया गया। मंत्रियों ने प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देने पर सहमति जताई, ताकि महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग के नए अवसर तलाशे जा सकें।

डिजिटल बुनियादी ढांचे में मदद करेगा भारत

मध्य एशियाई देशों ने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल "इंडिया स्टैक" की प्रशंसा की जो डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी को गति देता है। भारत ने इन देशों में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद देने की सहमति जताई है। इसके अलावा, इंडिया-सेंट्रल एशिया डिजिटल पार्टनरशिप फोरम की स्थापना पर सहमति बनी है, जिसकी पहली बैठक की मेजबानी उज्बेकिस्तान करेगा।

कई क्षेत्रों में करेंगे आपसी सहयोग

भारत सरकार इस क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए उत्पादन-आधारित वित्तीय प्रोत्साहनों पर भी विचार कर रही है, जिससे खनिज आधारित उद्योगों को मजबूती मिले। इसके साथ ही, दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश के स्तर को और ऊपर उठाने की आवश्यकता को स्वीकार किया। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, ऊर्जा, कपड़ा, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ाने के लिए ठोस प्रयासों पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्तीय संपर्क मजबूत करने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली, बेहतर बैंकिंग सहयोग और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस दिशा में एक संयुक्त कार्य समूह बनाने की बात भी सामने आई है, जो भारत और मध्य एशिया के बीच बैंकिंग और वित्तीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर काम करेगा।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or call our toll-free no.: 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **Finance offer is at sole discretion of the financer, subject to its respective T&Cs. Offers are valid in select states for a limited period or till stock lasts. For more details, please visit your nearest authorized Hero outlet. #Cash Bonus is applicable on Xtreme125R model. Ex-showroom prices of Xtreme125R IBS and Destini Prime OBD2B are applicable in Delhi. ^Green Bonus is applicable Pan India on select Hero products and bonus amount may vary as per model/variant. *Terms & Conditions apply.

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road)- Pashupati Hero- 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur Singla Hero–9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero - 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: 9289922380, PushtaKartar Nagar: Aman Hero - 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222 North Delhi: Azadpur: Shraman Automobiles: 9289923185, Rithala (Rohini): Metro Hero - 9289922597, Budh Vihar: JMD Automotives - 7838685858, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero - 9289922382, Upper India Hero – 9717198198, West Delhi: ROSHAN VIHAR (Najafgarh): Avni Hero - 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero– 9289922530, Tilak Nagar: Khanna Hero - 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero - 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310, Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, Sehgal Hero, NIT - 7217627327; Gurugram: Globe Agencies, Sec – 18, Noble Enclave - 9289233915, Himgiri Hero - 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11- 9289923221, Autoneeds Hero - 9289922051, Jasodha Hero- 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad) - 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): 9289924248, Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna- 9289924089; Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector 63- 9289923044, Uppal Hero- B 124, Sector-5 - 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58 - 9289923059; Ghaziabad: Globe Hero- Meerut, Delhi Road - 9289922073, Aman Hero - Shiv Puri, Vijay Nagar - 9289232123; Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486 BulandShahr: Shri Durga Hero, Delhi Road - 9289922504; Krishna Hero, Raje Babu Road - 9289922410, Hapur: Globe Hero – 9289923209.

L&K | SAATCHI & SAATCHI